

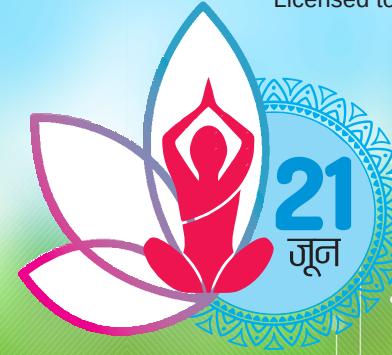
शिव आनंदपाण



सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण

वर्ष 06 अंक 06 हिन्दी (मासिक) जून 2019 सिरोही पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 9.50

05

अंतर्राष्ट्रीय
योग दिवस
पर विशेष..पेज़:8-9सुबह उठते ही पहला
विचार पावरफुल....

14

विज्ञान की सक्रियता
के बागूद बढ़ रही....

ब्रह्माकुमारीज के यातायात प्रभाग की अभिनव पहल, मई 2018 में किया प्रयोग...

मुंबई में चार स्थानों पर राजयोग का प्रयोग, सड़क दुर्घटनाओं में आई 33% की कमी

बीके भाई-बहनों ने नियमित रूप से 40-50 मिनट राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से संबंधित क्षेत्र में फैलाए शुभ प्रकंपन।

एक ही माह में वर्ष 2017 व 2018 के ग्राफ में दर्ज की गई कमी

आबू शोड वैज्ञानिक प्रयोगों से यह सिद्ध हो चुका है कि हमारे सकारात्मक व नकारात्मक विचारों का प्रभाव आसपास की प्रकृति, जीव-जंतुओं और लोगों पर भी पड़ता है। दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति हमारे विचार है। यदि विचार नकारात्मक हैं तो आसपास की चीजों पर वैसा ही प्रभाव पड़ता है। यदि विचार सकारात्मक व श्रेष्ठ हैं तो परिणाम सुखद आते हैं।

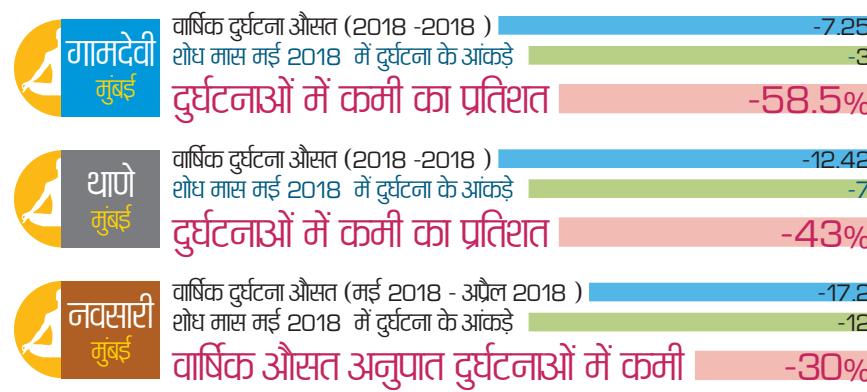
इसी को ध्यान में रखते हुए ब्रह्माकुमारीज संस्थान के यातायात एवं परिवहन प्रभाग द्वारा एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। इसके तहत एक विशेष दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्र को चुनाव किया जाता है। बाद में बीके भाई-बहने संबंधित क्षेत्र के लिए सामूहिक रूप से नियमित राजयोग मेडिटेशन के अभ्यास के द्वारा शुभ व श्रेष्ठ बाइब्रेशन देते हैं। मेडिटेशन के माध्यम से उस क्षेत्र के लोगों व स्थान को पौर्जीटिव बाइब्रेशन देते हुए परमात्मा से शक्ति लेकर वहां देते हैं, ताकि दुर्घटनाओं के ग्राफ को कम किया जा सके।

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रथम प्रयास में पिंपरी-चिंचवाड़ क्षेत्र में फरवरी 2018 में अनुसंधान किया गया। इसमें अप्रत्याशित रूप से सड़क दुर्घटनाओं में 27.5 फीसदी की कमी दर्ज की गई। प्रयोग के लिए वर्ष 2017 व 2018 के फरवरी के अंकड़ों को लिया गया। इसके बाद मई 2018 में मुंबई के ही 4 क्षेत्रों में राजयोग सकाश का सड़क दुर्घटनाओं का प्रभाव का अध्ययन किया गया। इसके बाद दोबारा पिंपरी-चिंचवाड़ क्षेत्र में जून 2018 में रिसर्च स्टडी की गई। उन क्षेत्रों की सड़क दुर्घटनाओं के अकड़े पुलिस विभाग से प्राप्त किए गए। जिसमें यह पाया गया कि राजयोग सकाश के परिणामस्वरूप चुने गए क्षेत्रों में सड़क दुर्घटनाओं में औसतन 33 प्रतिशत (अधिकतम 58.6% गामदेवी, मुंबई और न्यूनतम 10.9% बोरोवली, मुंबई) की संबंधित क्षेत्र में कमी आई।

पिंपरी-चिंचवाड़ में दो बार अध्ययन
पिंपरी-चिंचवाड़ क्षेत्र में दो बार अध्ययन किया गया। इसमें पाया गया कि राजयोग सकाश के फलस्वरूप सड़क दुर्घटनाओं में पहले अध्ययन में 27.5 प्रतिशत और दूसरे अध्ययन में 22.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। दोनों अध्ययनों में दुर्घटनाओं के ग्राफ में आई कमी यह दर्शाती है कि यह प्रयोग अगर नियमित किया जाएं तो बहुत अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।



इन अनुसंधानों में 1850 बी.के. भाई-बहनों ने एक महीने प्रतिदिन 40-50 मिनट तक निर्धारित ऑडियो कॉर्नेटरी के अनुसूचित रूप से सड़क दुर्घटनाओं में 27.5 फीसदी की कमी दर्ज की गई। प्रयोग के लिए वर्ष 2017 व 2018 के फरवरी के अंकड़ों को लिया गया। इसके बाद मई 2018 में मुंबई के ही 4 क्षेत्रों में राजयोग सकाश का सड़क दुर्घटनाओं का प्रभाव का अध्ययन किया गया। प्रयोग के लिए वर्ष 2017 व 2018 के फरवरी के अंकड़ों को लिया गया। इसके बाद मई 2018 में रिसर्च स्टडी की गई। उन क्षेत्रों की सड़क दुर्घटनाओं के अकड़े पुलिस विभाग से प्राप्त किए गए। जिसमें यह पाया गया कि राजयोग सकाश के परिणामस्वरूप चुने गए क्षेत्रों में सड़क दुर्घटनाओं में औसतन 33 प्रतिशत (अधिकतम 58.6% गामदेवी, मुंबई और न्यूनतम 10.9% बोरोवली, मुंबई) की संबंधित क्षेत्र में कमी आई।



इसी प्रकार पिंपरी-चिंचवाड़ सेवाकेन्द्र के अन्तर्गत इस प्रोजेक्ट को जून 2018 में फिर से रिप्रिट किया गया। इसके परिणाम में पहले की तरह अच्छे रहे। प्रथम अयास में जहां वार्षिक औसत की तुलना में 22.7% दुर्घटनाओं का ग्राफ हुई वहीं दूसरे अध्ययन में पिंपरी-चिंचवाड़ नगरपालिका सीमा में दुर्घटनाओं में 20.7% की कमी दर्ज की गयी।

आपकी दाय



ब्रह्माकुमारीज के ट्रांसपोर्ट विभाग द्वारा हमारे क्षेत्र को राजयोग द्वारा सकाश देने के लिए चुना गया, इसकी बहुत खुशी है। इस पायलट प्रोजेक्ट से इस वर्ष 20.5 फीसदी दुर्घटनाओं का हुई है, जो बहुत बड़ी बात है। इसके लिए मैं पुणे पुलिसकर्मियों से संस्था को धन्यवाद देता हूं मैं यह भी मानता हूं कि हैसे राजयोग के अभ्यास से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई है, ऐसे हमारे पिंपरी-चिंचवाड़ क्षेत्र में अपराधों में कमी लाने के लिए मैं भी राजयोग बहुत कारगर साबित होगा। इससे पुलिसकर्मियों के तनाव में मैं कमी आएगी।



यातायात एवं परिवहन प्रभाग अपने स्थापना वर्ष से लगातार समाज में व्याप्त समस्याओं के समाधान के लिए नियंत्रण प्रयासत रहता है। हमने अब तक जो प्रयास किए और जितनी सड़क दुर्घटनाओं में जो सफलता मिली है उसके आधार पर हम कह सकते हैं कि राजयोग मेडिटेशन वैज्ञानिक मापदंडों के ऊपर भी यथा उत्तरकर समाज के विकास में बहुत ही मददगार साबित हो सकता है।



महाराष्ट्र राज्य के 3 शहरों पुणे, थापे और मुंबई के बोरीवली, गामदेवी क्षेत्रों व गुजरात के नवसारी सेवाकेन्द्र के अंतर्गत 5 चिह्नित क्षेत्रों में ब्रह्माकुमार भाई-बहनों ने बहुत ही लगन और निष्ठा के साथ राजयोग सकाश के द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए अनुसधान प्रयोग किया है। जब-जब राजयोग के अभ्यास से चुने गए क्षेत्र विशेष में शिर्कियाली प्रकृति के आधार से अध्ययन एवं प्रयोग किया गया तब-तब महीने के अनुपात के अनुपात और वार्षिक औसत के अनुपात के अनुसार भी सड़क दुर्घटनाओं में कमी दर्ज की गई है। सरकार द्वारा उपलब्ध सड़क दुर्घटनाओं के अंकड़ों के मुताबिक राजयोग सकाश के इस प्रयोग द्वारा 5 दशानों पर दुर्घटनाओं में औसतन 33 फीसदी की कमी आई है। यदि यह अनुसधान प्रयोग 20-25 शहरों में किया जाए तो नियंत्रण रूप से सफलता की संभावना है और उन शहरों के अंकड़ों को एकत्रित करके सरकार के सामने राजयोग की उपलब्धि को एक पिपोट के रूप में पेश किया जा सकता है।



भारत देश में सड़क दुर्घटनाओं की ज्वलता समस्या के लिए राजयोग एजुकेशन एट इर्स्ट फाउंडेशन के यातायात एवं परिवहन प्रभाग ने समाज व देश को ज्यादा सुरक्षित बनाने के लक्ष्य से जो प्रयास किया है, वह बहुत ही महत्वपूर्ण है। प्रभाग सामाजिक सरोकार को ध्यान में रखते हुए ऐसे अनेक कार्यक्रम करता रहता है। उन कार्यक्रमों के माध्यम से न केवल यातायात एवं परिवहन क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को लाभ होता है, बल्कि समाज के हर व्यक्ति और हर दो-दो-योग के जीवन को सुरक्षित बनाने की दिशा में आगे बढ़ते रहते हैं। राजयोग सकाश द्वारा सड़क सुरक्षा नामक इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत हमारे राजयोगी भाई-बहनों ने जो प्रयास किया है उसे सामाजिक जागृति एवं प्रशिक्षण के माध्यम से और ज्यादा लोगों तक पहुंचाने की दिशा में हम अग्रसर हैं। इसके अलावा संस्था के मुख्यालय में वर्ष में दो बार राष्ट्रीय सेमीनार आयोजित किया जाता है।

बी.के. सुरेश शर्मा, संयोजक, यातायात एवं परिवहन प्रभाग, माउंट आबू

प्रेरणापुंज

दादी जानकी
मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज

पवका योगी बनना है तो संकल्प, बोल और कर्म पर पूरा ध्यान हो, स्वभाव बहुत सरल हो

शिव आमंत्रण ➤ आबू रोड। अपने आपसे पूछो कि मुझे क्या करना है? हम जानते हैं हमारा बाप, टीचर, सत्गुरु स्वयं धर्मराज हैं। उसने सत राज्य स्थापन करने के लिए ही हम बच्चों को अपना बनाया है। तो हमारा काम क्या है? सत धर्म, स्व धर्म में टिक कर सत राज्य कारोबार करना। स्थापना में बाबा के साथ हैं तो हमारे संकल्प, वचन और कर्म में दिखाई पड़े कि यह सचमुच ईश्वरीय दरबार है। कितना सत्यता का राज्य है। अभी-अभी यह भान आना चाहिए। हम सत्युगी राज्य में आने के अधिकारी हैं। अपने अन्दर सत धर्म है तो राज्य कारोबार में भी सत्यता है। सुख-शांति, पवित्रता और प्रेम पहले अपनी स्थिति में हैं और साथ-साथ सबके साथ व्यवहार में हैं तो दिल गवाही देती है कि मैं बाबा के साथ नम्बरवन में आ सकती हूँ। सन सोज फादर, फादर सोज सन। हम बच्चे ही बाबा का साक्षात्कार कराने वाले हैं। बच्चे ही दुनिया के सामने आएंगे।

बाबा ने कहा अभी प्रालब्ध का अनुभव करो। पुरुषार्थ बहुत किया अभी पुरुषार्थी नहीं करो परन्तु उसकी प्रालब्ध क्या है? सदा सुख-शांति, प्रेम-आनंद में रहना, महसूस करना औरों को भी यह अनुभव कराना। उनको यह न दिखानी पड़े। उसको यह न दिखाई पड़े कि इसने 60 वर्ष, 50 वर्ष, 25 वर्ष, 20 वर्ष, पुरुषार्थ किया है तभी यह श्रेष्ठ स्थिति को पाया है। लेकिन हमारी स्थिति उनको ऐसा अनुभव कराये जो आज का आया हुआ भी समझे कि यह मैं भी कर सकता हूँ। अभी-अभी पुरुषार्थ करें, अभी-अभी प्रत्यक्षफल खाएं। बहुत मेहनत से अपको छुड़ायें। बुद्ध को भटकने से छुड़ायें। छोटी-छोटी बातों में, अनेक बातों में बुद्ध ईश्वर-उधर गयी, जहाँ जरूरत नहीं वहाँ बुद्ध गई तो भी समय गंवाया। जो करता है अच्छा ही करता है, हमारे सोचने से, कहने से कुछ चेंज होगा क्या! होने वाला है तो हो जायेगा या वह अपने पुरुषार्थ से होगा। हम चिंतन करके अपना माथा गर्म करें या व्यर्थ दिमाग को चलायें, जरूरत नहीं है। बहुत शांत, शुद्ध रह कर राइट सोचें तो फिर हम जो कहेंगे वह कोई भी मानेगा कि राइट है। सोचना ज्यादा है तो कोई नहीं मानेगा राइट है। कोई भी बात हो, हमारे में समाने की ऐसी शक्ति हो जो उसका जरा सा भी इफेक्ट न हो, अगर इफेक्ट आता है तो यह भी मेरा डिफेक्ट हो जाता है। हम तो परफेक्ट बनने का सदा ध्यान रखते हैं। अभी नहीं बनेंगे तो और तो कोई टाइम आने वाला नहीं है। तो अभी हमको परफेक्ट बनना है। इसके लिए सुस्ती जरा भी न हो क्योंकि यह सुस्ती कई प्रकार का नुकसान करती है। योग्यकृत रहने नहीं देती, मुरली का कदर नहीं रहता। सुस्ती कई बार बहाना दे देती है। इसका भी कारण - देह अभिमान। धारणा पर ध्यान नहीं होता, अलबेलापन आएगा। फिर कहेंगे अच्छा, बाबा ने कहा कि सब राजायें थोड़ी बनेंगे। इस प्रकार से सुस्ती वाले के ख्यालात होंगे। कहेंगे जो मेरे से होगा सो करेंगे, जितना होगा उतना करेंगे। लेकिन जिनमें सुस्ती नहीं है वह तो कहेंगे जो करना है सो अब करना है मुझे ही करना है। फिर शुद्ध संकल्प, दृढ़ संकल्प करा ही लेता है। जो बाबा सुनाता है वह दिल में कैसे समा लें और सारा दिन हर्षितचित्त, हर्षितमुख्य रहें। यह आदत पड़ जाए। स्वर्ग तो हमारे आंखों के सामने खेड़ा है। जो अच्छे पुरुषार्थी हैं वह याद की लगन से सच्चा बाबा को प्यार करके, देखारियों से लगाव झुकाव खत्म करके, एक ही लगन से पास्ट के विकर्म विनाश करने का काम पहले उतार लेते हैं क्योंकि अगर अच्छी तरह से याद नहीं करेंगे तो उल्टे विकर्म होंगे और सजा खानी पड़ेंगी। तो आत्मा में अन्दर से प्यार भरी याद हो। याद का सबूत है बुद्ध कहाँ भटकेगी नहीं। श्रीमत पर दिल से चलेंगे। याद में रहने के लिए भले कोई विघ्न आयेंगे, माया छोड़ेंगी नहीं, पौछे पड़ेंगी लेकिन पहलवान वह जो सेकंड में माया को भगाये। चाहे शरीर की ब्रह्मारी आये, कुछ भी आये-वह भी थोड़ा हिसाब किताब है, तुम पढ़ने पड़ने में मस्त रहो तो वह भी भाग जायेगी। बैठेंगी नहीं। उसका ख्याल करेंगे, पालना करेंगे तो बैठ जायेगी। पढ़ने-पढ़ने में मस्त होंगे तो चली जायेगी। विघ्न कौन से आते हैं? यह ऐसा क्यों करता, इसको ऐसे नहीं बोलना चाहिए, सारा दिन फालतू गोरखधन्या। उसको माया ही नहीं समझते। इसलिये ईश्वरीय बचपन लाइफ में रहे, व्यर्थ संकल्पों से इनोसेन्ट रहो।

- क्रमशः

राजयोग से बढ़ा मनोबल, जीवन बना आनंदमय, पाकिस्तान में घुसकर दुर्मनों के छुड़ाए छवके

शिव आमंत्रण ➤ आबू रोड। देशभक्ति हमारे सपूत्रों के रग-रग में बसती है जो अपना त्याग और बलिदान देकर भारत माता के इस मिट्टी का कर्ज चुकाने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। मृत्यु के भय से मुक्त हाए बिना कोई भी दीर सैनिक अपने सैनिक धर्म-कर्म का उचित निवृह नहीं कर सकता है क्योंकि शक्ता, भय और मोह जैसे विकारों से मुक्त सेना ही अपना साहस और पराक्रम के साथ अपने देश के लिए शौर्य गाथा लिखने में कामयाब हो सकती है। अपने देश का एक ऐसा ही सैनिक 80 वर्षीय वीर सपूत रिटायर्ड नायब सूबेदार ऋषिराम शुक्ला जो अपना शौर्य गाथा सुनाने आबू की धरती पर गांव कोटडीह अयोध्या उत्तरप्रदेश से पहुँचकर शिव आमंत्रण पवित्रिका से खास बातेयी में देश भक्ति जगाने वाली प्रेरणादारी बातें बताई जा रही उन्हीं के शब्दों में वर्णित हैं...

पढ़ाई के दौरान हो गया था आर्मी में भर्ती

मैं करें ऑफ मिलिट्री पुलिस (सीएमपी) सर्विस से एक रिटायर्ड नायब सूबेदार हूँ। मेरा जन्म उत्तर प्रदेश के एक छोटे से गाँव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। मेरी शिक्षा-दीक्षा गाँव के ही स्कूल में हुई थी। पढ़ाई के दौरान ही मैं आर्मी में भर्ती हो गया। बैसिक ट्रेनिंग खत्म होने के बाद मेरी पहली पोस्टिंग आगरा में पैरा मिलिट्री फोर्स में वालेंटिअर के पद पर हुयी। सर्विस के दौरान देश की तरफ से कई लड़ाइयों में भाग लिया। 1964 में पहली बार कच्छ एकशन में भाग लिया और हम लोगों की विजय हुयी। इस एकशन के समय वहाँ पानी की बहुत दिक्कत थी क्योंकि पिछले व्यारह वर्षों से उस इलाके में बहुत कम बारिश हुई थी। अचानक वहाँ इन्हीं बारिश हुई कि हमारी सभी गाड़ियाँ पानी में डूब गईं। तीन दिनों तक हेलिकाप्टर से खाद्य सामग्री भिराई जाती रही।

सभी सैनिक भाइयों से अर्ज करता हूँ कि परमात्मा का ज्ञान लेकर स्वयं को तथा अपने पिता को पहचानें और राजयोग द्वारा अपने जीवन को खुशहाल बनाएं।



नुकसान नहीं होने दिया। फौज में उत्कृष्ट सेवा के लिए परमात्म कृपा से कुल 13 मेडल भी मिले जिसके लिए मैं परमात्मा को धन्यवाद देता हूँ।

ज्ञान मंथन से मिलती है बहुत शक्ति...

सर्विस के दौरान ही 1982 में जम्मू रिहाई में ब्रह्माकुमारीज संस्थान का ईश्वरीय ज्ञान मिला। ज्ञान के पश्चात जीवन बहुत संतुष्ट और आनंदायक अब तक बीत रहा है। अब तक कई परिस्थितियों को पार करते हुये नियमित ईश्वरीय ज्ञान क्लास करता रहा हूँ और साथ में निरंतर राजयोग का अभ्यास कर रहा हूँ। आज अपने यूनिट के सदस्यों और अधिकारियों से भी काफी सम्मान मिल रहा है। कृष्ण फौजियों को भी इस आध्यात्मिक ज्ञान से जोड़ने में सफलता भी मिली है। ईश्वरीय ज्ञान के पश्चात राजयोग के अभ्यास से मेरे मनोबल में दिन प्राति दिन वृद्धि होती गई। जीवन से चिंताएँ कम होने लगीं। कोई भी परिस्थिति अब एक परीक्षा मालूम होती है जिसे पार करने में परमात्मा की मदद मिलती रहती है। कहते हैं, देवताओं ने समृद्ध मंथन किया और अमृत निकला जिसे पीकर वे अमर हो गए। वास्तव में यह सागर मंथन नहीं बल्कि ज्ञान मंथन है जिससे हर इंसान को शक्ति मिलती है।

जीवन के 80 वर्ष कब पूरे हुये पता ही नहीं चला

इस प्रकार फौज की सेवा करते हुये 1985 में सेवा निवृत हो कर अपने गाँव वापस आ गया। गाँव आने के बाद अपने स्थानीय ब्रह्माकुमारीज सेवा केंद्र से जुड़ गया। सेवा केंद्र गाँव से दूर होने से नियमित क्लास नहीं कर पाया लेकिन मुरली लाकर पढ़ने लगा। मेरी युगल (पत्नी) भी इस ज्ञान में आ गई और जीवन की गाड़ी सुचारू रूप से चलती हुई आज जीवन के 80 वर्ष कब पूरे हुए पता ही नहीं चला। परमात्मा आज भी शक्ति दे रहा है। प्रति वर्ष कई बार मध्यूबन अपने घर जाने का अवसर मिलता ही रहता है और हम ज्ञान और शक्तियों से भरते रहते हैं। परमात्मा के महावाक्य नियमित सन्तान और मेडिसेन करता हूँ जिससे बहुत सुकून मिलता है। सर्विस के दौरान विषम परिस्थितियों में भी कभी विस्ती प्रकार का शारीरिक नुकसान नहीं हुआ यह बाबा की शक्तियों का ही कमाल था।

जैसा करोगे, वैसा भरोगे, जो बोओगे वह काटोगे

अंत में मैं सभी सैनिक भाइयों से अर्ज करता हूँ कि वे भी परमात्मा (शिव बाबा) का ज्ञान लेकर स्वयं को तथा अपने पिता को पहचानें और राजयोग द्वारा अपने जीवन को खुशहाल बनाएं। परमात्मा के सृष्टि परिवर्तन के कार्य में अपना सहयोग देकर दैवी दुनियाँ की स्थापना के निमित्त बनें। सृष्टि परिवर्तन के कार्य में प्रकृति भी अपना पार्ट आदा करेगी जिससे कहीं भयंकर सूखा (अकाल) पड़ेगा, कहीं अति वृष्टि होगी, समुद्र में ऊँची-ऊँची लहरें उठेंगी जिसमें सब कुछ जल मन हो जाएगा, भूकंप आएगा आदि आदि। यह भविष्यवाणी नहीं बल्कि परमात्मा के महावाक्य हैं जो गीता में भगवान ने उच्चारा है...

यदा-यदा हि धर्मस्य ज्ञानिर्भवती भारत।

अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

गीता के अनुसार यह वही अति धर्म ज्ञानिर्भवती भारत। इसका विनाश होकर नई स्वर्णिम दुनिया वर्धमय है। इसका परमात्मा इस धरा पर अवतरित होकर यह ज्ञान दे रहे हैं।

25 साल से राजयोग और आध्यात्म की शिक्षा जारी, ब्रह्माकुमारीज संस्था की सामाजिक पहल...

तिहाड़ जेल: बंदी अलसुबह चार बजे से करते हैं योग-तपस्या, कई अपराधी बने नेक इंसान



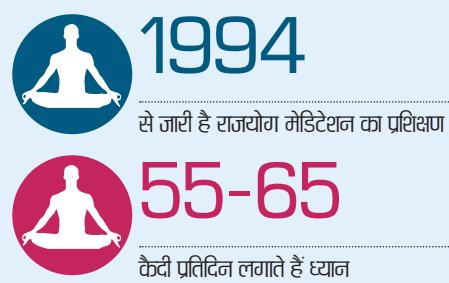
जेल में बना शांति का माहौल, बंदी जेल स्टाफ का भी करते हैं सहयोग

शिव आमंत्रण दिल्ली। आज के समय में अपराधी मनोवृत्ति को प्रेम पूर्वक समझकर उसे नेक राह पर चलने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। क्योंकि अपराध का मूल कारण नकारात्मक मनोवृत्ति और नकारात्मक विचारधारा है। इस विचारधारा को समाप्त करने के लिए ब्रह्माकुमारीज संस्थान अहम भूमिका अदा कर रही है।

इस संस्थान के तहत केंद्रीय कारगार तिहाड़ जेल में वर्ष 1994 से बंदियों के लिए राजयोग मेडिटेशन का अभियान चला कर एक अनोखी सेवाएं प्रदान की जा रही है। कारगार में कैदियों को परमात्मा के प्रति ऐसी लगन लगा है कि वो अपनी अपराधवृत्ति और बदलते का भाव जैसे प्रेम और करुणा में बदल लिया हो। उनके आचरण और संस्कार मानों कलयुग में दैवी पुरुषों का आगमन हो चुका है। उनकी



तिहाड़ जेल में एक कार्यक्रम के दौरान कैदियों के साथ ब्रह्माकुमारीज संस्थान के सदस्य



दिनचर्या तो तपस्वी जैसी हो चुकी है। करीब 55 से 65 बंदी रोज सुबह 4 बजे से ब्रह्ममुहूर्त में परमात्मा के ध्यान में रम जाते हैं। जहां इन कैदियों के चर्हों पर पहले आत्मलानि और पश्चात्पत्र के भाव रहते थे वहीं अब आत्म संतुष्टि और आत्म सम्मान साफ-साफ देखे जा सकते हैं।

इनके चेहरे से जो सकारात्मक भाव झलक रहे हैं जो ऊपर दिये गए फाटों में भी देखा जा सकता है। ये बंदी कैद में होकर भी ऐसा लगता है कि ये लोग फरिशों की बस्ती में रह रहे हैं। जिस प्रकार ब्रह्माकुमारीज सेवा केंद्र पर आध्यात्मिक वातावरण रहता, उसी प्रकार जेल के अंदर भी खुशनुमा और सकारात्मक विचारों वाली एक टोली बस गयी हो। सेवाकेंद्र की तरह ही जेल के अंदर प्रदर्शनी पोस्टर, मेडिटेशन चित्र, अनमोल पुस्तकालय और प्रेरणादायी स्लोगन आदि जेल बैरक में दिखाई देती है जो बेहद ही अद्भुत है।

वहां कई कैदियों को जीवन परिवर्तन होता देख उनके साथी भी इस पावन पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं ताकि अधिकतम अपराध की उत्पन्न स्थली जेल को जल्द से जल्द सकारात्मक वृत्ति की उत्पन्न स्थली बनाया जाए तभी इस देश और दुनिया को स्वर्ग बनाया जा सकता है।

ब्रह्माकुमारीज संस्था के प्रयास से कई बंदियों के जीवन को मिली नई दिशा : जेल महानिरीक्षक

ब्रह्माकुमारीज संस्थान पिछले 25 वर्षों से तिहाड़ जेल में अपनी अमूल्य सेवाएं दे रहा है। सुश्री किरण बेदी दिल्ली कारगार की पहली महिला महानिरीक्षक थीं, जिन्होंने 1993-1995 के बीच नेतृत्व किया। सुश्री बेदी को व्यापक रूप से तिहाड़ जेल की कायापलट करने और कैदियों के व्यवहार में महत्वपूर्ण सुधार लाने का श्रेय दिया जाता है, जिसमें कैदियों के लिए योग और ध्यान कार्यक्रम शुरू करना शामिल है, जिसमें ब्रह्माकुमारीज ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मेडिटेशन के निरन्तर अभ्यास और जीवन में मूल्यों को धारण करने से कैदियों में महत्वपूर्ण बदलाव देखे गए। कैदियों ने नियमित रूप से आध्यात्मिक कक्षाओं में भाग लिया। मेडिटेशन के अभ्यास के लिए ब्रह्माकुमारियों के लिए अलग से ध्यान कक्ष की व्यवस्था की गई। ब्रह्माकुमारियों ने कैदियों के लिए मूल्य शिक्षा की भी शुरुआत की ताकि अपनी नॉलिंज को बढ़ा कर वे बाहर की दुनिया में एक बेहतर जिन्दी जी सकें। उन्होंने हजारों कैदियों के लिए राखी को मनाने के लिए भी विशेष प्रोग्रामों का आयोजन किया। इस पवित्र पर्व पर बीके बहनें उन्हें अपनी नकारात्मकता को छोड़ने के लिए प्रेरित करतीं और परम पिता परमात्मा



तिहाड़ जेल में बंदियों और बीके सदस्यों के साथ एआईजी राजकुमार शिविर में भाग लेते हुए

के आगे कम से कम एक बुराई छोड़ने का प्रण दिलवाती। फिर एक दिन, एक मित्र ने कहा, चलो तुम्हें शान्ति दिलवाते और वह मुझको जेल में चल रहे ओमशान्ति के कार्यक्रम में ले गया जहाँ ब्रह्माकुमारी बहनों ने बताया कि तुम इस

शरीर को चलाने वाली दिव्य प्रकाश स्वरूप चैतन्य आत्मा हो। यह शरीर नश्वर है। इसके बाद 10 मिनट का योगाभ्यास करवाया। योग से शांति का ऐसा अनुभव हुआ जो पहले कभी नहीं हुआ था। मैं खुशी के मारे मन ही मन सोचने लगा कि परमात्मा मुझे मिलने जेल में भी आ गया। फिर जान का सासाहिक कोस पूरा करके मुल्ली पढ़ना शुरू किया। ब्रह्माकुमारी बहनों के निरंतर प्रयास से हम कई कैदी भाई अब रोज राजयोग का अभ्यास करते हैं और मुल्ली पढ़ते हैं। अब मेरे मन से निकलता है, शुक्रिया बाबा। अब मुझे सच्चा रास्ता मिल गया है। मेरा क्रोध कम हो गया है और ईश्वरीय ज्ञान का ही नशा चढ़ा रहता है परिवार वाले भी मेरे में हुए परिवर्तन को देख बहुत खुश हैं। बाबा ने मेरी सारी पीड़ाएं हर ली हैं। मैं धीरे-धीरे सभी बंधनों से मुक्त होता जा रहा हूँ। अब तो सिर्फ एक ही कामना है, जैसे मेरा भला हुआ है, ऐसे ही सबका हो, सब के विकार दूर हो, सभी बंधनों से मुक्त हों, राजयोग की शिक्षा सबको मिले। इस ईश्वरीय कार्य में तन-मन-धन से अपने आपको समर्पित करने के लिए मैं तैयार हूँ।

■ राजकुमार, एआईजी, केंद्रीय जेल तिहाड़, दिल्ली

बंदियों को सुसंस्कृत करने का संकल्प पूर्व आईपीएस किरण बेदी के सहयोग से हुआ: बीके शुक्ला

नियमित सत्संग और आध्यात्मिक ज्ञान से जीवन को मिली नई दिशा

शिव आमंत्रण तिहाड़ जेल/दिल्ली। हरीनगर ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र के आस-पास तथा दूर दराज क्षेत्रों में सेवाओं का विस्तार बढ़ रहा था परन्तु पास में दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंदियों के लिए मैरे मन में संकल्प चलते थे कि इन आत्माओं को उद्धार कैसे होगा? मुझे इनकी सेवा करनी है। भगवान अपने हर बच्चे का उद्धार करने आए हैं तो इन आत्माओं को भी भगवान का सदेश मिलना चाहिए। एक कहावत है- 'जहाँ चाह वहाँ रहा'। संयोगवश उन्हीं दिनों वर्ष 1986 में तिहाड़ जेल की पूर्व आईजी आईपीएस किरण बेदी की सोच थी कि मुझे ब्रिटिश साम्राज्य से चली



■ बीके शुक्ला, सेंटर इंचार्ज हरीनगर (दिल्ली)

आ रही पद्धति 'दण्ड के भय द्वारा कैदियों को कंट्रोल करना' को बदलना है और मानवीय मूल्यों द्वारा उनका आन्तरिक सुधार करना है। उन्होंने इसके लिए अपने कर्मचारियों से पूछा कि इन कैदियों के सुधार के लिए, खासकर इन्हें मानसिक तौर पर स्वस्थ एवं जागरूक बनाने के लिए कौन सी संस्था बेहतर कार्य कर सकती है? समय की नियमी

अनुसार मुझे इस सेवा के बारे में पता चला तो मुझे लगा कि मेरा संकल्प फलीभूत हो गया है। बहन किरण बेदी से मिलकर मैंने कहा कि जो आपके संकल्प हैं वही मेरे भी संकल्प हैं कि इन कैदियों का मानसिक सुधार करना है। तब उन्होंने कहा कि हम आपको ढूँढ़ रहे थे। हम दोनों मिलकर इनके संस्कार परिवर्तन की दीपक रूपी लो जागाएंगे। कैदियों को सुसंस्कृत करने में मेरी और किरण बेदी जी का संकल्प सिद्ध हुआ। तब हमने नियमित रूप से जेल



तिहाड़ जेल में वर्ष 1986 के एक कार्यक्रम के दौरान आईपीएस किरण बेदी एवं बीके शुक्ला



“मैं बहुत ही भाव्यशाली हूँ की परमपिता चुना है। मैं बहुत खुशी होती है जब मैं उन लोगों के बीच जा कर उन्हें शिव पिता का ज्ञान सुनाता हूँ। उस ज्ञान द्वारा उनमें परिवर्तन देख कर तो उनके सभी साथी भी बहुत हैरान होते हैं कि इनको क्या हुआ है जो ये अब पहले जैसे नहीं रहे बहुत ही बदल गए हैं। लड़ना-झगड़ना मार-पीट आदि भी नहीं करते हैं। अब उनके परिवार वाले भी कह कर जाते हैं कि हमने तो सोचा था कि ये शायद और ही बिगड़ जायेंगे परन्तु ये तो पुरे साथ बन कर बाहर आये हैं और हमें भी ज्ञान की गहराई बता रहे हैं तो मुझे बहुत खुशी होती है। एक ने तो कहा दीवाँ 17 साल की कैद 17 दिन की जिन्दगी अनुभव होती है नहीं तो ज्ञान से पहले तो हमें ये लंबा समय बहुत खाता था। जेल में हजारों ने अभी तक ये ज्ञान प्राप्त कर अपना जीवन बनाया है। अब तो बाबा से यही कहना है की ऐसे ही परमात्मा सेवा लेता रहे और सबका भाव्य जगता रहे।

■ बीके सारिका, कोऑर्डिनेटर, सुरक्षा सेवा प्रभाग, हरीनगर दिल्ली



मेरा जन्म एक सम्मानित ब्राह्मण परिवार में हुआ। बचपन से ही मैंने कोई अभाव नहीं देखा। ब्रह्मलिंग का होता था। अगर कोई काम मेरे मन के अनुकूल नहीं होता तो मैं क्रोध में आग-बबूला हो जाता था। मेरा अच्छा-खास व्यापार था मगर कोई स्वभाव के कारण 12 वर्ष तिहाड़ जेल में बन्द रहा। जब मैं जेल में गया तो लगा कि अब तो काष्टों की आत्म हो गई है, अब मैं पागल हो जाऊंगा। बहुत तनाव में रहने लगा था। तभी राजयोग का अभ्यास मेरा सहारा बना।

■ महेश, तिहाड़ जेल, दिल्ली



क्रोध के कारण जेल जाना पड़ा। अब परमात्मा ने आजादी का मतलब बता दिया है। आज जेल में रहते प्रभु ने विकारों से मुक्त कर दिया। दुनिया वाले विकारों की जेल में हैं और भगवान जेल में रहते विकारों से आजाद करादिया है। भगवान मिला सब कुछ मिला और कोई इच्छा नहीं। बाबा जब से आप मेरे जीवन में आए हो जीवन जीने का मतलब पता चल गया। अब यह जीवन बदला हुआ जीवन है बदला लेने वाला नहीं। आत्मा और परमात्मा का ज्ञान देने की सेवा करने लग पड़ा हूँ। जिससे पता चला अब मेरे जीवन का सच्चा लक्ष्य मिल गया है।

■ बीके मंगल, तिहाड़ जेल, दिल्ली



योग और राजयोग से मिटता शरीर का रोग

यो ग भारत की प्राचीन पद्धति रही है। इससे सैकड़ों सालों तक योगियों, ऋषियों, महर्षियों ने अपने जीवन को जीया है। परन्तु बदलते समय के कारण सुषुप्ताकथा में जाने के कारण मनुष्य की जीवनशैली बदली और मानव मन और तन की बीमारियों का घर बन गया। आधुनिक विज्ञान के युग में तमाम उपायों के बावजूद मनुष्य स्वास्थ्य का गिरता स्तर चिंताजनक हो गया है। इसलिए अब पुनः लोग योग और राजयोग की ओर वापस लौटने लगे हैं। यही कारण है कि कुछ वर्षों में तेजी से लोगों का रुझान योग की ओर बढ़ा है। केवल बढ़ा ही नहीं बल्कि इससे शरीर के रोगों को रोकने में सफलता भी मिली है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित होने के बाद तो पूरी दुनिया में योग की काँत आ गयी है। यदि आप सुबह-सुबह बगीचों, पार्कों में लोग ठहलते और योग करते सहज ही मिल जायें। परन्तु अब जल्दी है कि परिवार में समाज में इससे एक जीवन का हिस्सा बना दिया जाये जिससे कि एक अच्छा और स्वस्थ समाज बन सके।

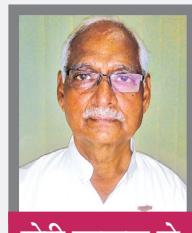
(बोध कथा जीवन की सीख)

हार निश्चित हो तो भी प्रयत्नों के बल पर जीत पक्की की जा सकती है



ष हुत समय पहले दो राज्यों के बीच सम्बन्ध इतने बिंदु गए के दिया युद्ध की आ गई थी। वो दोनों राजा एक विद्युत योगी के पास पहुंचे। वह योगी जो कहता था वो सत्य होता था। पहला राजा जब उस योगी के पास पहुंचकर पूछा कि युद्ध का परिणाम क्या होगा तो उस योगी ने कहा तुम्हारी हार निश्चित है, तुम्हारे भाग्य में हार ही लिखा है। दूसरा राजा जब पहुंच उसने भी यही प्रश्न किया गया क्या होगा? उस योगी ने कहा तुम्हें चिंता करने की बात नहीं क्योंकि तुम्हारी जीत निश्चित है। जो पहला राजा था वह पहले थोड़ा दुखी हुआ और फिर उसने सोचा यदि मेरी हार ही निश्चित है तो क्यों न तो मैं समर्पण प्रयत्न करूँ? हारना तो निश्चित है परंतु जो कुछ मुझसे हो सकता है वो तो मैं प्रयत्न अवश्य कर ही सकता हूँ। फिर वो तैयारी में लग गया। प्रयत्न में दिन रात एक कर दिया गया की नींद छोड़ दी। और जो दूसरा राजा था जिसने ये सोच के ही रक्षा था कि जीत तो निश्चित है यह सोचकर वो रिखल हो गया कि अब कुछ करने की आवश्यकता नहीं है। जब मेरी जीत ही निश्चित है तो फिर वो धमासान युद्ध हुआ जो दूसरा राजा था उसके थोड़े की

संदेश: अगर हार निश्चित हो तो भी जीत सुनिश्चित किया जा सकता है क्योंकि सफलता हमारे मेहनत कर्म और प्रयत्नों पर निर्भर करता है न कि भाग्य पर। जीत निश्चित हो तो भी अगर प्रयत्न करने छोड़ दिए जाए तो हार हो सकता है। इसलिए जीत पक्की के लिए समर्पण प्रयत्न करें।



मेरी कलम से

डॉ. पी.सी.राम मोहन

भूतपूर्व निदेशक सीएस व अध्यक्ष, जैव तकनीकी व फसल कार्यकारी विभाग, नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नरेन्द्र

वर्तमान समय शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ही कड़ी प्रतिस्पृश्यार्थी है। अध्ययन से लेकर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के क्षेत्र में बहुत प्रतिस्पृश्यार्थी है। आज का विद्यार्थी जीवन बहुत तनावग्रस्त, कृंठित और हताश दिखाई पड़ता है। इसका प्रमुख कारण मानसिक प्रदूषण जो इंटरनेट, वाट्सअप, फेसबुक पर ज्यादा से ज्यादा



आध्यात्म की नई उड़ान...

डॉ. सचिन]
मेडिटेशन एक्सपर्ट

स दियों से मनुष्य के मन में एक प्रश्न संदेव रहा है कि भाग्य श्रेष्ठ या पुरुषार्थ श्रेष्ठ। अपनी कमज़ोरी के लिए मनुष्य ने हमेशा दूसरों को दोषी ठहराया है। ये सोचना की सब कुछ भाग्य से हो रहा है तो वह अपने दायित्व से मुक्त होना चाहता है। यदि वह कार्त भार्का का फॉलोवर है तो कोहा समाज जिमेवर है, यदि वो सिंगमंड फ्रायड का फॉलोवर है तो कोहा अववेतन मन रिस्पान्सिबल है, यदि वो धार्मिक व्यक्ति है तो कहता है ईश्वर कर रहा है, अपनी रिस्पान्सिबिलिटी कहीं शिफ्ट कर देता है, यदि वो कर्म सिद्धान्त को मानने वाला है तो कर्म-सिद्धान्त पर छोड़ देता है परंतु यह समझना कि हम सब भाग्य की कठपुतलियां हैं तो फिर हमारे हाथ में क्या है? हम ही हैं किस लिए फिर? हम कर ही क्या रहे हैं? यदि हमारे हाथ में कुछ नहीं है तो। यदि पहले से ही सब कुछ लिखा हुआ होता तो कर्म पुरुषार्थ की चिता ही नहीं होती। यदि पहले से कुछ लिखा हुआ होता तो कर्म पुरुषार्थ की चिता ही नहीं होती। यदि वह तब तो हार निश्चित है कि अपना भाग्य हम हर दिन लिख रहे हैं। क्योंकि कर्म और पुरुषार्थ रूपी कलम हमारे हाथ में है। यदि भाग्य हमारे हाथ में नहीं है तब तो हार निश्चित ही है। इसलिए ना कोई व्यक्ति समाज में हमारे भाग्य के साथ बैठा हुआ है और न ही कोई ईश्वर यह सब कुछ कर रहा है। यदि हम कहें ईश्वर करता करता है तो दुख मिला तो वो फिर दुःखदायी हुआ। मेरे जीवन में जो कुछ भी हो रहा है उसका जिमेदार कौन है? जैसे मेरे सम्बन्ध हैं, जो मेरा अतीत है जो भी वर्तमान स्थिति है दुख है, दर्द है, पीड़ा है, आवेग है, खुशी है, चेतना की जो स्थिति है वो किसने निर्माण की है किसी और ने या मैंने स्वयं किया है? यदि इन्हाँ भी आभास हो जाये तो जीवन की दिशा और दशा बदल जाएगी।

संत कबीर दास, कवि

“ जब मैं इस संसार में बुराई खोजने चला तो मुझे कोई बुरा न मिला। जब मैंने अपने मन को झांक कर देखा तो पाया कि मुझसे बुरा कोई नहीं ॥ ”



विद्यार्थियों के लिए राजयोग बहुत जरूरी

समय बिताने से मिलता है। हालांकि ये साधन अध्ययन में भी उपयोगी हो सकते हैं। परन्तु इस पर बहुत से विद्यार्थियों कम ध्यान देकर इनके दुरुपयोग में फँस पड़ते हैं।

राजयोग एक ऐसी विधि है, जो हमें स्वयं की पहचान, परमात्मा की पहचान व परमात्मा से शक्तियों की प्राप्ति की विधि सिखाता है। मन को शांत व एकाग्रचित्त करने में मदद करता है। एक सफल विद्यार्थी जीवन के लिए राजयोग का अभ्यास आवश्यक है। इससे स्मरण शक्ति, धारण शक्ति व बुद्धि को सही दिशा में मदद मिलती है।

शरीर भी निरोगी बनता है। आत्मा शुद्ध होती है। दुनियावी अनर्गल व्यर्थ बातों से बुद्धियोग हटता जाता है। और अपने लक्ष्य की तरफ केन्द्रित होता जाता है। एक एकाग्रचित्त शांत मन और बुद्धि ही मनुष्य को सफलता की तरफ ले जा सकती है। इसके अभ्यास से विद्यार्थियों की अध्ययन को बोझान समझ एक सुन्दर खेल समझ आनंदपूर्वक आगे बढ़ सकते हैं।

राजयोग प्रतिदिन की दिनचर्या को नियमित व संयमित करने में भी सहयोग देता है। जिससे मनुष्य की कार्य कशलता बढ़ती जाती है। परिवार व समाजिक जीवन भी बहुत सुखदायी बनता जाता है। शिक्षकों के लिए भी शांत, तनाव रहित मन प्रखर बुद्धि को जन्म देता है। उन्हें सर्व के प्रति आत्मिक भाव रखने में राजयोग मदद करता है।

एक हंसमुख चेहरा प्रसङ्गचित्त अभिव्यक्ति विद्यार्थियों को आकर्षित करती है। लौकिक कार्य क्षेत्र में भी किसी से प्रतिस्पृश्यात्मक दृष्टिकोण न रख सहयोगी बनने में सहायक होता है। किसी की त्रुटियों के लिए उसे सहज क्षमा प्रदान कर सकता है। और स्वयं की कमियों व त्रुटियों के लिए सहज ही क्षमा याचना कर तनावमुक्त, अचल-अडोल बन सकता है। मैं सर्वजनों से अपेक्षा रखता हूँ कि वे राजयोग के नियमित अभ्यास से अपने जीवन को बोझान समझ एक सुन्दर खेल समझ आनंदपूर्वक आगे बढ़ सकते हैं।

कर्म और पुरुषार्थ भाव्य लिखने का कलम

अब हमें अपने जीवन में एक क्षण लक्षण कर आत्मविश्लेषण करने की जरूरत है, बाहर से डिस्कनेक्ट होकर अंतर मन में देखने की जरूरत है। जीवन के इस अनंत यात्रा में स्वयं को देखें कहीं सो तो नहीं हार हूँ या जग रहा हूँ? किस ओर भाग रहा हूँ? बचपन में क्या स्वप्न जंगों थे? कहीं जीवन की यात्रा में भटक तो नहीं गया हूँ? ये क्या हैं?

हमें कुछ नहीं मालूम कि हम कहाँ भाग रहे

स्वयं को देखना है कहाँ मैं भाग रहा हूँ किस ओर भागते हैं और किसी के लिए यह जारी है। यह जो भी बातें आपको बताई जा रही हैं जब तक नहीं कि आप उन्हें मान ही लो। स्वामी किवेकानन्द ने कहा है कि कुछ भी स्वीकार नहीं करोंगे क्योंकि यह ग्रंथों में लिखा गया है, क्योंकि यह कहीं से सुना है, क्योंकि यह कहीं से लिखा गया है या फिर यह परंपरा से चल रहा है। ऐसा कुछ भी स्वीकार नहीं करता है। जिसको जो बोलना है बोलने दो परन्तु हम गहराई से उस पर सोचेंगे, मनन करेंगे, चिंतन करेंगे, विश्लेषण करेंगे अपने जीवन से तुलना करेंगे। सत्य को खुद खोजेंगे। आज हम ये देखेंगे की ये जो भाग्य है, ये जो नियति है, ये जो तकदीर है ये हमारे हाथ में हमारी मुझी में कैसे आ जाए? हम अपने जीवन को क्या करें कि उस दिशा में ले जाये जो सही हो। अब तक तो भाग रहे ही हैं। कुछ ना मालूम की कहाँ भाग रहे हैं परंतु भाग जारी हैं।

तुम्हें तो वहाँ जाना चाहिए जहाँ मूर्मि सर्टी है

एक कहानी मुझे याद आ रही है। सन् 1886 लियो टॉलस्टोय रस्सियन नाम के लेखक का कहानी का शीर्षक है 'एक व्यक्ति को कितने जमीन की आवश्यकता है' उसमें दिखाया है एक व्यक्ति है जिसका नाम पाहोम है। वह गरीब किसान है जिसके पास भूमि का छोटा-सा टुकड़ा है। एक दिन एक सन्यासी उसके पास आकर कहता है कि तुम यहाँ क्या कर रहे हो? तुम्हें तो वहाँ जाना चाहिए जहाँ भूमि बहुत सस्ती है। तुम वहाँ क्यों नहीं जाते? वो कहता अच्छा जाऊँगा और फिर वो रात भर सो नहीं पाता है। सुबह निर्णय लेता है कि मैं अपना ये छोटा सा जमीन का टुकड़ा बेच कर वहाँ जाऊँगा और वहाँ जाकर लोगों से पूछता है कि यहाँ भूमि के क्या भाव हैं। वे लोग कहते हैं कि यहाँ तो जमीन फ्री है लेकिन केवल एक शर्त है और वो शर्त है सुबह से लेकर शाम तक तुम्हें भागना है। जितना भागागे वो सारी जमीन तुम्हारी होगी। वो कहता है अच्छा, फिर रात भर सो नहीं पता, करवते बदलता रहता है, सुबह उठता है। जहाँ सारा गांव एकत्र है और वो भागना शुरू करता है। इतना तेज भागता है कि सोचता है जितना भागागा उतनी भूमि मेरी होगी।

आचार्य चाणक्य, शास्त्र नीति प



बी.के. शिवानी

जीवन प्रबंधन विदेशी

अंतर्राष्ट्रीय नोटिवेशनल स्पीकर और ब्रह्मकुमारीज की टीवी ऑडिकॉन, गुरुग्राम, हरियाणा

जीवन प्रबंधन

सुबह उठते ही पहला विचार पावरफुल और सकारात्मक हो

**सुबह-सुबह हमारा जैसा संकल्प होगा वैसा ही संकल्प हमारा
सारा दिन चलता रहेगा इसलिए पहला विचार हमारे पावरफुल
एवं सकारात्मक होना चाहिए**

शिव आमंत्रण आबू रोड। कभी भी ऐसा कहने की आदत नहीं होनी चाहिए कि 'मैं कोशिश करूँगा' परमात्मा कहते सिर्फ हाँ जी करो। जब आपका बच्चा आपको किसी चीज के लिए हाँ जी करता है तो उसको क्या मिलता है? मातापिता भी तो बच्चों को कितनी राय देते हैं जा! बहुत सारी राय में तो बच्चे आधा सुनते पर ही क्या कह देते? एक तो कहते टाइम नहीं है या इंटरेस्ट नहीं है और हो नहीं सकता। लेकिन अगर मां-बाप ने राय दी और बच्चे ने हाँ जी किया तो मां बाप से बच्चे को क्या मिलता है? दुआएं, ब्लेसिंग्स। ये वो चीज है जो असंभव को संभव करती है। दुआएं वो चीज है जो बड़े से बड़े विष्ण को खत्म करती है, ये वो चीज है जो भाव्य को बदल सकती है।

सकारात्मक होकर हाँ जी का पाठ पक्का करना है

ये तो मनुष्य आत्माओं की ब्लेसिंग्स हैं जब परमात्मा की ब्लेसिंग्स मिलती ही तो सोचो क्या हो जाएगा! तो हम भी अब एक कदम हिंमत का उठाते हैं वो एक कदम हाँ जी करने का है। तो अब ऑफिस में नो एंगर जोन धोषित करेंगे। हाँ जी, रोज सुबह अपने लिए एक घंटा निकालेंगे। हाँ जी, रोज मैटिशन करेंगे, सेन्टर पर जाकर ज्ञान सुनेंगे, सात्त्विक जीवन जिएंगे। जिसको व्हाइट सर्कल चाहिए वो कोई भी ब्लैक चीज नहीं आने दे सकता। धन जो आया वो दुआओं से तो अब भी जो खाया वो भी सात्त्विक। क्योंकि हम अपने डार्क सर्किल से लाइट सर्किल की तरफ जा रहे हैं। अगर हमने कुछ भी ऐसा खाया-पिया जिसके प्रकृतन डार्क हैं तो ज्यादा मेहनत साथ रिजल्ट थीमा दिखेगा। लेकिन अगर हमने अपनी खाने-पीने की चीजों को सात्त्विक किया। ये परहेज होता है यह मत करो वो मत करो, ये नियम नहीं है। ये हमारे फायदे के लिए नियम हैं। जैसे कोई कोई डॉक्टर इलाज करता है तो वो क्या करता है? दवा देता और परहेज बताता है। तो ज्ञान जो है वो दवा है ज्ञान को लेना शुरू किया तो दवा लेनी रोज शुरू

फिल्म निर्माण और एनीमेशन सबसे रचनात्मक लेटफार्म मूहैया कराया है जहाँ मानव कल्पना सभी अवरोधों को पार करती है और रोमांचक एवं अद्भुत अनुभूति करती है। गोडलीवुड स्टूडियो हमेशा दर्शकों के लिए व्यविधि कार्यरूप में प्रदान करने के साथ मीडिया के माध्यम से मानवता की सेवा करने की सभी संभावनाओं को तलाशने के लिए अनुसंधान और विकास का पूरा प्रयोग कर रहा है। डोम थिएटर चीजों को देखने और दिखाने का एक नया माध्यम है। जहाँ 360 डिग्री इमर्सिव वीआर एक्सपरियंस द्वारा सोशल एक्टिविटी को साझा किया है जो कि एक व्यक्तिगत कार्य से कई बढ़कर है। इससे कोई भी दृश्य दोगुना जातुर्दी अनुभव होता है क्योंकि आप अपने लोगों के साथ निकट बैठ सकते हैं और जहाँ चाहें यात्रा कर सकते हैं एक अविश्वसनीय स्पष्ट से बड़े पैमाने पर 360 एक्सपरियंस वीआर इमर्सिव का आनंद ले सकते हैं। प्रयोगात्मक रूप से मैटिशन नाम के प्रत्यावित डोम थिएटर को दर्शकों के लिए बहुमात्र कुमारीज के शातिवन परिसर में रखा जाएगा। गोडलीवुड स्टूडियो ने डाम के लिए एक 360 एनीमेटेड वीडियो बनाया है जो ध्यान करने की नीव होगी। जिसका दर्शक डोम के अन्दर बैठकर आनंद लेंगे। ये अपने आप में अनोखा होगा क्योंकि वर्तमान में भारत में बहुत कम ऐसे डोम थिएटर हैं।

ईश्वरानुभूति
का नया
माध्यम
मेटेशन
.360 डोम
थिएटर

की। साथ में परहेज है, कुछ परहेज करते हैं हम कुछ नहीं करते लेकिन हम सबको पता है कि दवा के साथ अगर परहेज भी शुरू कर दिया तो इलाज जल्दी होगा। सिर्फ एक महीने का एक्सपरियंस में करके देखिएगा।

पहले एक्सपरियंस में बाद एक्सपरियंस करें

आप हाँ जी भी तीन महीने तक अपने आपको और परमात्मा को कीजिए, जीवनभर के लिए हाँ जी नहीं करनी है, ऐसे ही नहीं मानना करेंगे बात। हमेशा एक्सपरियंस में बाद एक्सपरियंस। फिर जीवनभर के लिए कहना हाँ जी पहले तो सिर्फ तीन महीने के लिए हाँ जी कहना है। तो तीन महीने के लिए हम रोज जल्दी उठेंगे, मैटिशन करेंगे, सात्त्विक अन्न खाएंगे और सात्त्विक चीजें ही पियेंगे। क्यों ऐसी चीज खाएं और पियें जिससे एनर्जी डाउन होती हो। तो सात्त्विक धन, सात्त्विक अन्न तो सात्त्विक मन ज्ञान से। अगर आप को कहा जाए कि फोन नहीं यूज़ करना तो हो सकेगा कि सारा दिन फोन न यूज़ करें। फोन क्यों हमारा नुकसान कर रहा है इस टाइम वो फोन नहीं कर रहा है लेकिन सारा दिन उसमें स हम जो पढ़ रहे हैं जो सीन देख रहे हैं। फोन को फोन की तरह यूज़ करना था लेकिन आज वो फोन क्या बन गया इन्फोर्मेशन का सोर्स और इन्फोर्मेशन की क्वालिटी भी कैसी है? जो हम पढ़ेंगे, देखेंगे, सुनेंगे वैसा हम बनेंगे ये लोंगे हैं। तो सारा दिन जो फोन पर इन्फोर्मेशन आ रही है तो वही देखना, पढ़ना, सुनना जैसा हम बनना चाहते हैं बाकी सब चीजों को बिना देखें डिलीट कर देना है।

जो सुनेंगे, पढ़ेंगे, देखेंगे वैसे ही हम बनेंगे

कई बार जब आप ऑफिस में ज्ञान सुनाने लगते होते हों तो आपके टेबल पर थोड़े कम लोग होंगे पहले कहेंगे ये क्या, इसके पास जब जाओं ये तो आत्मा हूं आत्मा हूं सुनाने लग जाता है। आज कल तो जीवन के टेस्ट बदल चुके हैं। अगर इनको ये सुनाओ उधर ये हो रहा है उसके घर में ये हो रहा है तो उस समय नहीं याद रहेगा। काम भी करना है टाइम मैनेजमेंट भी करना है उस तरह की बातों को लिए टेस्ट बदल गया है तो अब वो बातें लोगों से नहीं फोन से मिल रही हैं। तो आज गौसिप करने के लिए भी लोगों की जरूरत नहीं है। हमें सारा दिन गौसिप ऑनलाइन मिल रहा है। सोचो दिन की शुरुआत अगर गौसिप सुन कर करें तो कहते हैं ना सुबह-सुबह फिसका चेहरा देखा था तो हम आजकल इसका चेहरा देखते हैं इसलिए कहा सुबह-सुबह वो सुनना पढ़ना नहीं है। वही अगर चेंज करके सुबह-सुबह सबसे परमात्मा का ज्ञान सुना तो जो सुनेंगे, पढ़ेंगे, देखेंगे वैसे ही हम बनेंगे। तो अब ये बैठेंस लाइफ में लाइफ के लिए लाइफ क्या है लाइफ मतलब एनर्जी आत्मा जब ये लाइफ निकल जाती है तो फिर ये शरीर रह जाता है तो जब वो लाइफ के बीच में बैलेस आएगा तो बाहर तो सब कुछ ठीक हो जाएगा।

उठते ही परमात्मा को गुड मार्निंग करें...

दिन की अच्छी शुरुआत के लिए सुबह का पहला संकल्प क्या होना चाहिए? अगर पहला संकल्प श्रेष्ठ होगा तभी दूसरा भी श्रेष्ठ होगा। संकल्प अगर कमज़ोर हुआ तो पूरा दिन ही ऐसे चला जायेगा तो पहला संकल्प क्या होना चाहिए? सबसे पहले जो हम करते हैं वो परमात्मा को गुड मार्निंग। जब मैं शुरू शुरू में सेन्टर पर आई मैंने सोचा ये बड़ा विचित्र है सुबह-सुबह गुड मार्निंग गोड कौन बोलता है? फिर इसका कारण जानने की कोरेशन की जिसको जानने में सातों लग गए। जिसको सबसे पहले याद किया उसके मन की स्थिति के साथ मेरी स्थिति जुड़ जाएगी। जिसको हम याद करते हैं उसके साथ हमारे मन की स्थिति जुड़ जाती है और जो उसके मन में होगा उसके फ्रैक्पन हमें इफेक्ट करता है। बच्चे को कोई प्रॉब्लम होती है तो घर पे माँ कहती है कुछ तो प्रॉब्लम हुई है कैसे पता चला? क्योंकि माँ बच्चे को याद कर रही थी बच्चे का मन परेशान हुए और वो परेशानी माँ के पास डाउनलोड हो गई। अगर दुनिया के लोगों को याद करते हैं तो परेशान हैं हम भी परेशानी के प्रकृतन कैच करेंगे कोई नाराज है तो नाराजगी के प्रकृतन कैच करेंगे अगर सर्व शक्तिकान शांति के सागर को कैच करेंगे तो क्या डाउनलोड हो जाएगा तो उसकी फर्स्ट थॉट उसके साथ कनेक्ट करिए इसलिए बचपन में सिखाया था सबसे पहली चीज उठके बड़ों को नमस्ते, मतलब दुआ ले ली सुबह-सुबह सब से तो बड़ों को भी नमस्ते करते हैं।

ऑफिस में नो एंगर जोन क्रियेट करने के लिए घर से नो एंगर होकर निकलना पड़ेगा...

पूरा परिवार सबसे पहले उसके कनेक्ट हो तो घर का वातावरण चेंज हो जाएगा। आज हम क्या करते हैं व्हाट्सएप पे सबको गुडमार्निंग भेजते हैं, गुडमार्निंग पोस्टर इधर से आता है फिर हम फटाफट सबको इसे फॉरवर्क करते हैं। तो सबको गुडमार्निंग करने से पहले उसको गुडमार्निंग। इसके बाद दूसरा संकल्प क्या होगा? जो परिवर्तन आने अंदर लाना चाहते हैं जैसे अगर हम सोचते बैंक कि ऑफिस में नो एंगर जोन क्रियेट करना है तो इसके लिए घर से भी तो जो एंगर होकर ही निकलना पड़ेगा। इसलिए तो सुबह का पहला संकल्प गुडमार्निंग, दूसरा संकल्प में शांत स्वरूप हूं। मुझे आज शांत रहना है ये नहीं मैं शांत स्वरूप हूं। संकल्प से सुष्ठुप्त बनती है। तो शांत स्वरूप हूं का संकल्प करने से शांत स्वरूप बन जाएंगे।



डॉ. अजय शुक्ला] विहेवियर साइटिस्ट
गोल्ड मेडलिस्ट इंटरवेल्कल फ्लूप्रूप राहदार मिलीयम अवार्ड
डायरेक्टर सोशल रिसर्च स्टॉल एंड ट्रेनिंग सेंटर, बड़ाबाज़ी, देवेश, मप्र

**सामाजिक संदर्भ
में चेतन, अवचेतन,
अचेतन मन**

जी बन के नैसर्गिक विकास में चेतना का चिंतनशील विकसित स्वरूप अपनी उच्च संवेदनशील स्थितियों से सदा मददगार होता है। जब व्यक्ति कर्मनिधियों के द्वारा अच्छा बोलना, सुनना, देखना, सोचना एवं कर्म करने में महानता को प्राप्त कर लेता है तब चेतन, अवचेतन एवं अचेतन मन का सकारात्मक सह संबंध सामाजिक संदर्भ में स्पष्ट होता है। व्यक्तिगत स्तर पर मन स्थिति में होने वाले बदलाव को चेतन मन द्वारा अनुभव किया जाता है तथा इसका समर्थन अथवा विरोध अवचेतन मन से दर्ज भी हो जाता है लेकिन अंतिम निर्णय अवचेतन मन, जागृत आत्मा के लिए जीवन दर्शन के रूप में करता है। जीवन की सतोप्रधानता अवचेतन मन से देवत्व के जूँड़ाव को जीवन चेतन मानकर पुरुषार्थ करती है तो अवचेतन मन को सात्त्विक चेतना से संस्कारण स्वरूप में श्रेष्ठता का बोध होने लगता है। व्यक्ति द्वारा आत्म मूल्यांकन की स्थिति जब अतीत, आगत एवं अनंत में पूर्ण पवित्रता की अनुभूति से आनंददायी हो जाती है, तब चेतन मन की समृद्धशाली अवस्था स्वतः ही प्रकाशवान होती है।

मानव उत्थान हेतु लक्ष्य, उमंग और जीवन दर्शन

स्वयं के विकास में अपने जीवन का लक्ष्य बनाना होता है

रियल
लाइफ

...और कन्याओं के निश्चय को नहीं डिगा सके

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा

संस्थापक

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

रियल लाइफ कॉलम में हम आपको प्रत्येक अंक में बताएंगे इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय के मार्ग में क्या बाधाएं आईं और उनका समान ब्रह्मा बाबा ने कितनी सरलता से किया.... जीवन को पलटने वाली अद्भुत जीवन कहानी पुस्तक से क्रमशः...

कि तु कितना अन्याय है इस संसार में! हाईकोर्ट के इस निर्णय की ओर भी ध्यान न देते हुए, मंत्रीमंडल को बचाने के लिए न्याय का खून कर दिया गया और अंत तक ओम मंडली को यह भी न बताया गया कि ओम मंडली के विरुद्ध द्रिव्युनल में किस-किसने गवाही दी और उसने क्या-क्या कहा और कि ओम मंडली के विरुद्ध आरोप क्या है और उसका आधार तथा प्रमाण क्या है?

आखिर सिव्य के मुख्यमंत्री तथा विधिमन्त्री ने अनौपचारिक रूप से सुझाव दिया कि 'ओम मंडली' के लिए पांच-छः बंगले पास-पास ले लिए जाएं, जहाँ पर कि वे कुछ समय के लिए अलग-अलग रहें। उन्होंने मैरियक आध्यासन दिया कि कुछ समय इस प्रकार करने से लोगों के अत्याचार और आन्दोलन बन्द हो जाएंगे और सरकार ओम मंडली के विरुद्ध कोई कदम नहीं उठायेगी। बाप अपने बच्चों के मन को खुश करने की कोशिश तो करता ही है अतः ऐसा ही किया गया। एक बंगले में बाबा और उसके साथ कुछ परिवार जोकि उनके लौकिक रिश्तेदार भी रहते थे। एक बंगले में छोटे बच्चे रहते थे जो कि लौकिक शिक्षा के अधिकारी ईश्वरीय ज्ञान भी लेते थे। एक बंगले में आ॒रा॑ राधे॑ जी के साथ माता॑ और बालिङ कन्याएं रहती थी। एक अन्य बंगले में भाई लोग रहते थे। इस प्रकार ईश्वरीय यज्ञ का कार्य तो पहले की तरह ही चलता रहा। विद्यार्थी जीवन और ईश्वरीय पढ़ाई का कार्य भी ठीक वैसे ही चलता रहा। विद्यार्थी जीवन और ईश्वरीय पढ़ाई का कार्य भी ठीक वैसे ही चलता रहा। अपनी बसों में सवार होकर वैसे ही प्रतिदिन खिलाफ्टन पर सागर के किनारे सैर करने जाते थे। कुछ समय ही लोगों ने झंझटा॑ और झंगडा॑ करने की कोशिश की होगी। आखिर जब उन्होंने देखा कि ये लोग टर्नले वाले नहीं हैं, इन्हें तो पक्की ईश्वरीय लन लग गई है, वैर करने तथा अपना ही धन और समय व्यर्थ गवाने के सिवा तो कुछ मिला ही नहीं। उन्होंने सोचा कि एक दिन दादा का पैसा भी खर्च होते होते समाप्त हो जायेगा और तब ये सभी माता-बहने और भाई वापस लौट जाएंगे। उन्हें यह क्या मालूम था कि यह सर्वशक्तिवान परमपित परमात्मा द्वारा स्थापित किया हुआ ईश्वरीय विश्व विद्यालय है, यह किसी मनुष्य द्वारा स्थापित किया हुआ साधारण ज्ञान-यज्ञ या विद्यालय नहीं है। उन लोगों ने समाचार में यह प्रस्ताव छपवा दिया कि कोई भी व्यक्ति

'ओम मंडली' को पैसा न देवे ताकि इसका धन समाप्त हो जाये और इस संस्था का अन्त हो जाए। परन्तु जिस ओम मंडली का आधार त्याग, तपस्या और ईश्वरीय विज्ञा था, उसका लोग कैसे अन्त कर सकते थे? उसका कार्य अब शान्तिपूर्वक और सुचारू रूप से चलने लगा। जिन कन्याओं को नाबालिंग होने के कारण कोर्ट (न्यायालय) द्वारा उनके संबंधी ले गए थे, वे भी अब वापस आने लगे। क्योंकि उनके माता-पिता ने देखा कि इनकी लगन तो अटूट तौर पर इश्वर से लगी हुई हैं और ये सिनेमा, फैशन, मांसाहार, विकारी विवाह आदि के लिए तो हमारा प्रस्ताव मानती नहीं हैं, तो क्यों न इन्हें जाने दिया जाये और जीवन को उच्च बनाने की शिक्षा लेने दी जाये। बालिंग और बुर्जुर्ज माताएं तो पहले से ही वहा थीं। उन्हें तो कोई भी वापस जाने की आज्ञा नहीं दे सकता था क्योंकि पहले से ही उन सबके पति या ससुर ने यह स्वीकृति-पत्र लिख कर दिया हुआ था कि वे 'ओम मंडली' में ओम राधे के पास जाकर ज्ञानमृत पी और पिला सकती हैं।

कन्याओं के सामने एक और परीक्षा...

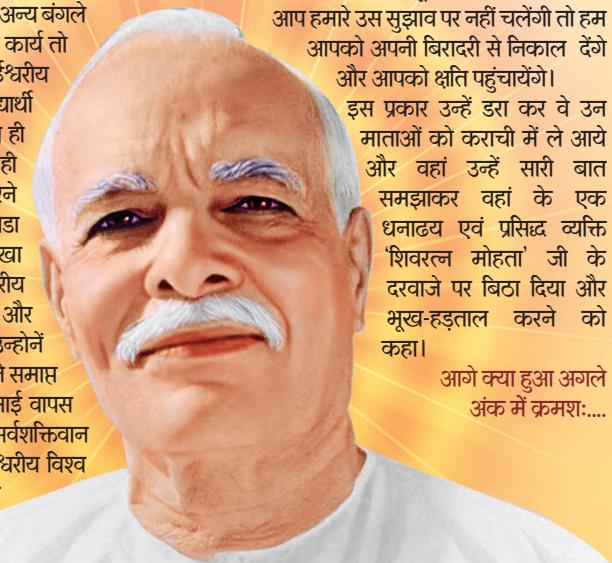
कुछ बालिंग कन्याओं को भी उनके माता-पिता किसी मान्य व्यक्ति द्वारा दबाव डलवाएं और बीच-बचाव करके वापस घर ले गए थे। अब वे भी वापस लौट आईं क्योंकि उनकी लगन, निष्ठा, त्याग तथा सच्चाई से तो मध्यस्थित करने वाले व्यक्ति तथा उनके माता-पिता भी अब प्रभावित हो गए थे। इस विषय में ब्रह्माकुमारी मनोहरइन्द्रा जी ने आप-बीती इस प्रकार लिखी-एक दिन की बात है कि दो-तीन कुमारियों की माताओं को 'ऐन्टी ओम मंडली' के लोगों ने बहकाया और कहा कि आप 'ओम मंडली' से अपनी बच्चियों को वापस लाओ। परन्तु उन्होंने कहा कि हमने तो उन्हें स्वीकृति-पत्र लिख कर दिया हुआ है अतः न्यायालय में तो वे उस पत्र को पेश कर देंगी। यह सुनकर 'ऐन्टी ओम मंडली'

बालों न कहा, हम आपको दूसरा उपाय बताते हैं। यदि आप हमारे उस सुझाव पर नहीं चलेंगी तो हम आपको अपनी बिरामी से निकाल देंगे।

और आपको क्षति पहुंचायेंगे। इस प्रकार उन्हें डरा कर वे उन माताओं को कराची में ले आये और वहाँ उन्हें सारी बात समझाकर वहाँ के एक धनाढ़य एवं प्रसिद्ध व्यक्ति 'शिवरत्न मोहता' जी के दरवाजे पर बिठा दिया और भूख-हड़ताल करने को कहा।

आगे क्या हुआ अगले अंक में क्रमशः....

पिछले अंक में
उपद्रवी के रूप में
किया गया कोर्ट
में शिकायत
ओम मंडली के
बारे में तो
हाईकोर्ट पहले
भी एक बार
निर्णय दे चुकी हैं
कि ये लोग शांति
प्रिय हैं और
समाज-सुधारक
हैं। अब आगे...



मेडिटेशन से युवाओं को नकारात्मक सोच से मिलेगा छुटकारा

ब्रह्माकुमारीज द्वारा जो राजयोग मेडिटेशन सिखाया जाता है। उपको जब मैंने अभ्यास करना शुरू किया तो मुझे प्रैक्टिकल में यह अनुभव हुआ कि मेरे विचारों की गति शान्त व श्रेष्ठ हो रही है। और साथ ही साथ मेरी दिनचर्या में जो नकारात्मक बातें एवं कई तरह परिस्थितियां आती हैं उसे सकारात्मक रूप से स्वीकार करने की शक्ति भी राजयोग मेडिटेशन से मुझे अनुभव होता है। इसके अभ्यास से पढ़ाई में एकाग्रता भी बढ़ती है ऐसा मैंने महसूस किया है। खास करके युवाओं को नकारात्मक गति विधियों से बचने के लिए भी राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास बहुत जरूरी है ऐसा मैं एक युवा छात्र होने के नाते हमेशा अनुभव कर रहा हूँ।



दृष्टि पाण्डेय
एमए (स्टैंडेंट)
नियोगी (उत्तरप्रदेश)



अग्निव गुप्ता
एमए (स्टैंडेंट)
इंट्राप्रीय (दिल्ली)

प्रतिदिन राजयोग के अभ्यास से मेरे जीवन को एक नई गति एवं ऊर्जा प्राप्त हुई है। सारे दिन के दिनचर्या के बाद जो मानसिक एवं शारीरिक थकान होती है उसे 15 मिनट में राजयोग के अभ्यास से शरीर के तरीके द्वारा बर्षा राजयोग कर लेता हूँ। रोज-रोज राजयोग के अभ्यास से चिंता, दुःख परेशनी, उदासी, क्रोध व ईर्ष्या जैसे भाव खत्म हो रहे हैं। इससे आत्मा एवं यरमात्मा की अनुभूति के साथ एकाग्रता की भी शक्ति बढ़ गया है। राजयोग से मेरे जीवन में सकारात्मक स्थाई परिवर्तन के साथ श्रेष्ठ शक्तियों का भी समावेश हुआ है। खुद के अनुभव से कह सकता हूँ कि राजयोग मेडिटेशन जीवन को शांत व सुखमय बनाने को एक अनोखी कला है इसलिए इसका अभ्यास अपने जीवन में अवश्य करें।



इस कॉलम में हम आपको हर बार ब्रह्माकुमारीज संस्थान एवं भाई-बहनों को मिले पुस्तकार या सम्मान से रुबरू कराएंगे। इस बार आप जानेंगे संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रत्नमोहिनी का ऑनर बुक पत्र से सम्मान तथा एशियन पावर लिफिटिंग चैपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीते बीके वीरेंद्र सिंह के बारे में....

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन ने दादी रत्नमोहिनी को दिया ऑनर बुक सम्मान



अधिवक्ता अधिक्षिणी दादी को सम्मान पत्र देते हुए।

शिव आमंत्रण नामिक। ब्रह्माकुमारीज संस्था की ज्वाइंट हेड 95 वर्षीय राजयोगिनी दादी रत्नमोहिनी का मुख्यालय स्थित डायमंड हाल में भव्य स्वागत कर लंदन स्थित वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की ओर से एक सम्मान पत्र सौंपा गया। इस विशेष मौके पर हजारों लोग पहुंचे थे, जिनमें हाईकोर्ट के अधिवक्ता अधिक्षिणी दादी भी थे। आध्यात्मिक जागरूकता के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान के लिए दादीजी को सम्मानित किया गया। मौके पर उपस्थित ब्रह्माकुमारीज संस्था के महासचिव बीके निरवै ने कहा कि वे 1959 से आध्यात्मिक शिक्षक रही हैं। मुलायू पद्धना एवं आध्यात्मिक संदेश देना, उनकी विशेषताएं रही हैं। विदेश में सेवा करने के दौरान भी दादी जी की आध्यात्मिक प्रतिबद्धता भिसाल से कम नहीं रही है। इस उम्र में भी वे संस्था के युवा विंग का नेतृत्व करती हैं। समारोह में उपस्थित ब्रह्माकुमारीज संस्था के अतिरिक्त महासचिव बीके ब्रजमोहन ने कहा कि रत्नमोहिनी दादी एक अद्भुत सितारे की तरह चमकती हैं। वे न सिर्फ विनम्र हैं, बल्कि हर किसी के लिए सुलभ हैं। इनकी शक्तिशाली आत्मा की परिचायक है। यह हर किसी के लिए प्रेरणास्रोत है। आत्मिक स्थिति में रहने के कारण इन पर अमर का कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। इस कार्यक्रम में बीके बूँदी, बीके मृत्युंजय, इशू दादी भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम में दादी रत्नमोहिनी को लेकर बनी एक डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन भी विद्या गया, जिसमें उनके जीवन वृत्तांत, सेवाओं व सम्मानों का उल्लेख है। जो उनकी आंतरिक शक्ति को भी प्रतिबिबित करता है।

एशियन पावर लिफिटिंग चैपियनशिप में बीके वीरेंद्र सिंह ने जीते तीन स्वर्ण पदक



शिव आमंत्रण वाणिजी/उप्र। बीके वीरेंद्र सिंह मरकाम 15 वर्ष की उम्र से ब्रह्माकुमारीज संस्थान के सदस्य हैं जो डिस्ट्रिक्ट पॉवर लिफिटिंग एसोसिएशन के खिलाड़ी व अंतर्राष्ट्रीय पॉवर लिफिटिंग खिलाड़ी निधि सिंह पटेल के सानिध्य में रहकर एशियन पावर लिफिटिंग चैपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीता। सात समंदर पार बैंकाक में 20 से 26 अप्रैल तक आयोजित चैम्पियनशिप में मरकाम ने कुल 470 के जी भार उठाकर तीन स्वर्ण पदक, एक रजत पदक पर कब्जा जमा कर पदक देश की झ़ोली में डाला। इस उपलब्धि से उत्साहित मरकाम के साथी खिलाड़ियों ने मिट्टी वितरित कर खुशियों को साझा किया। अगले अंक में आप जानेगे संस्था की अन्य उपलब्धियों के बारे में... पढ़ते रहिए शिव आमंत्रण।

५५ वैल्यूज इन हेल्थ केयर एस्प्रिचुअल एप्रोच के तहत दो दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित व्यसनमुक्ति की सेवाओं से मुख्यमंत्री को कराया रुबरु

शिव आमंत्रण ➡ अगरतला। वैल्यूज इन हेल्थ केयर एस्प्रिचुअल एप्रोच माना विहासा, इस प्रोजेक्ट के तहत त्रिपुरा के अगरतला स्थित ज्ञान उदय भवन में दो दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित हुआ जिसका उद्घाटन स्वास्थ्य एवं कल्याण मंत्री सुदीप रौय बर्मन, मेडिकल एजुकेशन के डायरेक्टर डॉ. चिन्मय विश्वास और अगरतला मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य के.के कुंडू की मुख्य उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में अगरतला के विविध इस्टिट्यूशन्स और कॉलेजेस से नरेंजा, पैरामेडिक्स, टीचर्स एवं ३० से अधिक चिकित्सकों ने हिस्सा लिया जिन्हें विहासा की टीम से विशेष हेल्थ प्रोफेशनल्स डॉ. ब्रजेश सिंघल, डॉ. मनोज, डॉ.



मुख्यमंत्री बिल्लब कुमार देव से मुलाकात के बाद विहासा की टीम

सचिन परब, डॉ. सुनैना और डॉ. हीना ने मार्गदर्शित किया। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में डिबेट्स, गुप्त डिस्कशन, ड्रामा, डांस, मोनोएक्ट, स्किल बेस्ड एक्सरसाइज, मेडिशेन जैसी विविध गतिविधियां शामिल थी, जिसका मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत स्तर पर सभी को मूल्य आधारित दृष्टिकोण सिखाना एवं राजयोग

के अभ्यास द्वारा अपने प्रोफेशन को आध्यात्मिकता से जोड़ना था। कार्यक्रम के बाद विहासा की पूरी टीम ने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिल्लब कुमार देव से मुलाकात कर संस्थान द्वारा पूरे देश में व्यसनमुक्ति के लिए की जा रही सेवाओं की जानकारी दी तथा मुख्यालय माउंट आबू आने का निमंत्रण भी दिया।

खुश रहना स्वाभाविक, तनाव एक बीमारी



आयोजित सेमिनार का शुभारंभ करते वरिष्ठ राजयोगी बीके सूरज व अन्य।

शिव आमंत्रण ➡ त्रिपुरा। आज तनाव बेहद आम बात हो गई है, आलम ये है कि लोग तनाव के बैगर जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि सर्वधन जीवन में तनाव आना स्वाभाविक है, लेकिन वास्तविकता कुछ और है, खुश रहना स्वाभाविक है और तनाव एक बीमारी, जिसे समाप्त करने के लिए विचारों की शक्ति को जानना बेहद जरूरी है। माउंट आबू से वरिष्ठ राजयोगी बीके सूरज कहा कि सोंसार को एक दिन ये स्वीकार करना होगा कि भारत ही सबसे महान देश है। ज्ञान की गंगा यदि कोई बहा सकता है तो वो भारत है, पूरे विश्व को सुख-शांति का मार्ग यदि कोई बता सकता है तो वो भारत ही है। इसके अलावा उन्होंने विचारों की शक्ति का महत्व बताया। दिल्ली डेवलपमेंट अथोरिटी के वाइस चेयरमैन तरुण कूपूर, बीके सर्गीता, माउंट आबू से आई बीके गीता समेत शहर के कई प्रतिष्ठित लोगों ने दीप जलाकर किया। संगोष्ठी में श्री गंगाराम अस्पताल के डॉ. दीपक गुप्ता ने अपने अनुभव सुनाते हुए बताया कि किस तरह से आज के समय में बच्चों से लेकर बुढ़े तक सभी तनाव के शिकार हो चुके हैं जिसे समाप्त करने के लिए मन की शक्ति को पहचानकर उसका सदुपयोग करना होगा।

राजयोग से खिलाड़ियों में बढ़ती है एकाग्रता की शक्ति: कर्नल विश्नोई

शिव आमंत्रण ➡ माउंट आबू। निरंतर मेहनत, प्रशिक्षक व व्यवस्था में आस्था से ही खिलाड़ी सफलता प्राप्त कर सकते हैं, जो खिलाड़ी अपने नैतिक मूल्यों के प्रति सजग है वह निरंतर श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकता है और ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा दिए जाने वाले राजयोग प्रशिक्षण से खिलाड़ियों में मानसिक एकाग्रता व मूल्यों को धारण करने की शक्ति मिलती है। ये बात मोतीलाल नेहरू स्पोर्ट्स स्कूल सोनीपत निदेशक कर्नल राज विश्नोई ने माउंट आबू के ज्ञान सरोवर में खेल प्रभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन के दौरान कही। खेलों में उत्तम प्रदर्शन करने के लिए राजयोग का चमत्कार विषय पर आयोजित सम्मेलन में हैदराबाद से आए अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी महेंद्र वैष्णव समेत अनेक वक्ताओं ने भी



ज्ञान सरोवर में आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन करते अतिथि।

अपने वक्तव्य से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। खेल प्रभाग के अध्यक्ष बसवराज, राष्ट्रीय संयोजिका बीके शशि और मुख्यालय संयोजक बीके जगबार ने खिलाड़ियों को राजयोग सीखने की सलाह दी।

सांताकूज में कुछ ऐसा हुआ जो इससे पहले किसी भी सिनेमाघर में नहीं हुआ। दरअसल सांताकूज के गोल्ड सिनेमा हॉल में गॉड ऑफ गॉड्स फिल्म दिखाने से पहले दर्शकों को ईश्वरीय महावाक्य सुनाए गए, जो महावाक्य जिसे ब्रह्माकुमारीज संस्थान के सदस्य मुख्य कहते हैं और सभी परमात्मा के इन्हीं महावाक्यों को सुनकर अपने दिन की सुंदर शुरूआत करते हैं। दबंग फिल्म के डायरेक्टर अभिनव कश्यप, प्रोड्यूसर एण्ड एक्टर करण आनंद, राजीव भारद्वाज, संजय मधनानी, अभिनेत्री स्वाती कुमार, विश्व सिंध सेवा संगम के नेशनल जनरल सेक्रेटरी राजीव पुरस्कारी, सांताकूज सबज़ोन प्रभारी बीके मीरा, सांताकूज ईस्ट सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कमलेश समेत शहर के कई प्रतिष्ठित लोगों ने कैडल लाइटिंग कर फिल्म की स्क्रिनिंग की। विशेष अतिथियों ने अपने विचार और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि परमात्मा का सत्य परिचय देने के उद्देश्य से बनाई गई यह फिल्म सभी को ज़रूर देखना चाहिए। इसके साथ ही बीके मीरा ने सभी आए हुए गणमान्य लोगों को ईश्वरीय सीणात दी और बीके कमलेश ने इस फिल्म को सराहते हुए सांताकूज सबज़ोन की तरफ से बधाई और शुभकामनाएं दी।

गॉडस ऑफ गॉडस फिल्म देखने उमड़ा बॉलीवुड



स्क्रिनिंग करते हुए फिल्मी जगत की जानी-मानी हस्तियां और बीके सदस्य।

शिव आमंत्रण ➡ सांताकूज (मुंबई)। यूं तो ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा निर्मित गॉड ऑफ गॉड्स फिल्म रिलीज होने के बाद देश के सभी पी.वी.आर तथा सिनेमैक्स सिनेमा घरों में दिखाई जा रही है लेकिन हाल ही में मुंबई के वेस्ट

सार समाचार

बीके स्वागतिका का राज्यपाल ने किया सम्मान



शिव आमंत्रण ➡ भूवनेश्वर। ब्रह्माकुमारीज संस्थान से जुड़ी व राजयोग अभ्यासी बीके स्वागतिका को साइकोलॉजी में श्रेष्ठ अंकों से पोस्ट ग्रेजुएट करने के लिए भूवनेश्वर में राज्यपाल प्रोफेसर गणेशीलल और ओडिशा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस कल्पेश सत्येंद्र झाहरी ने गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। बीके स्वागतिका इस उपलब्धि का श्रेय राजयोग मेडिटेशन, ब्रह्माकुमारीज संस्थान और वहां के सकारात्मक बातावरण को देती है। वे इंदिरा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र से जुड़ी हुई हैं और उनका पूरा परिवार सहयोगी है।

राजयोग से तन-मन को स्वस्थ बनाने का आह्वान

शिव आमंत्रण ➡ प्रयागराज। सिविल लाइन्स सेवाकेंद्र पर विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में विशेष ब्रह्माकुमारीज संस्थान के सदस्यों के लिए कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर डॉ. जे के मिश्रा, डॉ. अविनाश जायसवाल, डॉ. रमन मिश्रा समेत अन्य कई चिकित्सकों ने निःशुल्क सेवाएं दी जिसका स्थानीय लोगों ने पूरा लाभ लिया। राजयोग शिक्षिका बीके श्रद्धा ने कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी। अंत में सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुधा ने सभी चिकित्सकों को ईश्वरीय सौगात देने के साथ ही उनके योगदान के लिए शुभकामनाएं दी व राजयोग द्वारा तन-मन को स्वस्थ बनाने का आह्वान किया।



सकारात्मक जीवन के लिए ध्यान-चिंतन के साथ शाकाहारी भोजन जरूरी: बीके मृणालिनी



शिव आमंत्रण ➡ नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में दैनिक पुण्यनगरी कार्यालय में सकारात्मक सोच विषय पर आयोजित सेमिनार में राजयोग शिक्षिका बीके मृणालिनी ने जीवन में सकारात्मकता लाने के लिए नियमित रूप से ध्यान, चिंतन, मनन और शुद्ध शाकाहारी भोजन लेने कि अपील की। बीके मृणालिनी ने बताया कि मानव मन, मस्तिष्क और विचारों का आपस में घनिष्ठ संबंध है। इस अवसर पर बीके पुष्पा, कार्यालय के महाप्रबंधक संजय राके समेत अनेक विशेष लोग भी मौजूद रहे जिन्होंने अपने उद्बोधन से सभी को लाभान्वित किया।

समर कैंप में अभिनेता मुकेश खन्ना ने बच्चों का बढ़ाया उत्साह



शिव आमंत्रण ➡ बोरीवली। फिल्म अभिनेता मुकेश खन्ना मुंबई के बोरीवली सेवाकेंद्र पर आयोजित समर कैंप में बच्चों का उत्साह वर्धन करने पहुंचे। ४ से १६ साल के बच्चों के लिए ६ दिवसीय आयोजित इस शिविर के लिए मुकेश खन्ना ने संस्थान के सदस्यों का आभार माना और इस समाज के लिए सबसे बड़ी ज़रूरत बताया। वहीं तेनालीराम टीवी सीरियल में गुंडप्पा की भूमिका निभाने वाले चाइल्ड आर्टिस्ट कृष्ण पारेख ने भी लगभग १५० से अधिक बच्चों को अपने अनुभवों से प्रेरणा दी और वरिष्ठ बीके सदस्यों ने भी बच्चों को इस शिविर के लिए उत्साहित किया। कैंप के दौरान डॉ.संस, क्राफ्ट, स्पीच, एक्सारसाइज जैसे अनेक गतिविधियों में बच्चों ने उत्साह के साथ ही बीके मीरा ने सभी आए हुए गणमान्य लोगों को ईश्वरीय सीणात दी और बीके कमलेश ने इस फिल्म को सराहते हुए सांताकूज सबज़ोन की तरफ से बधाई और शुभकामनाएं दी।

सार समाचार

किसानों ने शाश्वत यौगिक खेती करने का लिया संकल्प



शिव आमंत्रण **पूर्णा।** किसानों को व्यसनों से मुक्त करना, अंध विश्वास एवं कुप्रथाओं का उन्मूलन करना, पारम्परिक शाश्वत यौगिक खेती अपनाकर पौष्टिक अन्न उत्पादन करना। किसानों को इसकी जानकारी देने के मुख्य उद्देश्य से महाराष्ट्र के पूर्णा में विशेष ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन हुआ। शाश्वत यौगिक खेती एक ऐसी पद्धति है जिसमें हम कदरत के नियम एवं प्रभाव पर चल कर विज्ञान के आधार से प्रकृति के पांचा तत्वों सहित सर्व जीव जंतुओं, पशु पक्षियों से स्नेह का रिश्ता जाड़त है। इसके लिए आवश्यक है आध्यात्मिक शक्तियों की, जो हमें राजयोग से मिलती है। इस कार्यक्रम का कई किसानों ने लाभ तो लिया ही साथ ही साथ शाश्वत यौगिक खेती करने का संकल्प भी लिया।

कलियुग से सत्युग में बदल रही दुनिया: बीके आरती



शिव आमंत्रण **ऋषिकेश।** ऋषिकेश सेवाकेंद्र द्वारा रूक्षिमणी धर्मशाला में आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें आर्मेंत्र बीके आरती ने कहा कि निराकार परमात्मा शिव श्रीमद् भगवत गीता में कहे महावाक्यों के अनुसार इस धरती पर अवतरित हो चुके हैं और मानवीय तन का आधार लेकर हम सभी की राजयोग की शिक्षा दे रहे हैं जिससे हमारा जीवन सुखमय बन जाएगा और यह घोर कलियुग नवयुग अर्थात् स्वर्णिम युग में बदल जाएगा। इस मौके पर व्यापार सभा के पूर्व अध्यक्ष नवल किशोर, रूक्षिमणी धर्मशाला के अध्यक्ष अमरनाथ जोशी, समाजसेवी मदन मोहन शर्मा समेत कई लोग उपस्थित रहे जिन्हें बीके आरती ने ईश्वरीय सौगत भेंट की।

रक्तदान कर दूसरों की जिंदगी बचाने का दिया संदेश

शिव आमंत्रण **अगरतला।**

त्रिपुरा के अगरतला स्थित ज्ञान उदय भवन सेवाकेंद्र के परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन कर अस्पतालों की मदद के लिए रक्त संचय किया गया। इस मौके पर 'त्रिपुरा स्टेट ब्लड ट्रांसफ्यूजन कार्डिनल' से चिकित्सकों, स्वास्थ्य पेशेवरों की टीम समेत कुछ नर्सेस रक्त संग्रह के लिए आई थी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सेवानिवृत्त एस.सी.दास ने रक्तदान के विभिन्न स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानकारी दी। स्थानीय सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कविता के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम का आगाज दीप प्रज्वलन कर हुआ तो वहाँ आगे आई.जी.एम अस्पताल के डॉक्टर विश्वजीत देव बर्मन ने बताया कि 18 वर्ष से ऊपर का कोई भी व्यक्ति एक वर्ष में 3 बार रक्तदान कर सकता है, यदि वह किसी भी गंभीर स्वास्थ्य समस्या से पीड़ित नहीं है।

आध्यात्मिकता से ही बनेगा मूल्यनिष्ठ समाज



शिव आमंत्रण **कुरुबिहार।** पश्चिम बंगाल के कुरुबिहार में मूल्यनिष्ठ समाज का निर्माण विषय पर कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्माकुमारी द्वारा किया गया जिसमें मुख्य अतिथि पीडल्यूडी ऑफिसर बिमल ने अपने विचार रखे, वहीं सेवाकेंद्र प्रभारी बीके संपा ने कहा कि जब तक आध्यात्मिक शक्ति को न अपनाया जाए तब तक मूल्यनिष्ठ समाज का निर्माण करना असंभव है, इस मौके पर रामकृष्ण स्कूल के हेड मास्टर बाजारा गोपाल ने कहा कि राजयोग मैटिरेशन तथा आध्यात्मिक ज्ञान ही एक मात्र रास्ता है जो एक मूल्यनिष्ठ समाज बनाने में सहायक है।

राष्ट्रीय समाचार

“५५ हर कर्म में बेस्ट करने के लिए खुद को इस धरा पर गेस्ट समझो”

१ राजकोट में गुडबाय डायबिटीज शिविर आयोजित...

खानपान के परहेज और व्यायाम से डायबिटीज पर नियंत्रण संभव

शिव आमंत्रण **राजकोट।** मधुमेह आजकल के सर्वाधिक प्रचलित रोगों में से एक है, बहुत से लोग इसे आयुर्विक सभ्यता का अभिशाप भी कहते हैं, अमेरिका में मधुमेह मृत्यु का आठवां और अंधेश्य का तीसरा सबसे बड़ा कारण बन गया है, इसे रोकने का आधार है रहन-सहन की हमारी आदतों में बदलाव और शारीरिक के साथ मानसिक व्यायाम करना। मधुमेह के प्रति जागृति लाने के उद्देश्य से राजकोट के कुमकुम पार्टी प्लॉट में गुडबाय डायबिटीज शिविर सम्पन्न हुआ। राजकोट सबजोन प्रभारी बीके भारती के नेतृत्व में पंचांगील सेवाकेंद्र द्वारा आयोजित इस शिविर का उद्घाटन माउण्ट आबू के ग्लोबल हॉस्पिटल से आए मधुमेह रोग विशेषज्ञ बीके डॉ. श्रीमंत कुमार साहू, डॉ. दर्शन सुरेजा, गौ सेवा समिति प्रमुख वल्लभ कथरिया, मानव कल्याण मंडल के चेयरमैन गीता मिरजा समेत कई विशेष अतिथियों



दीप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन करते विशेष अतिथि।

द्वारा दीप प्रज्वलन कर शिविर का आगाज हुआ।

शिविर में डॉ. श्रीमंत साहू ने मधुमेह रोग के विषय में

अधिक जानकारी देते हुए खान-पान की परहेज पर प्रकाश डाला, साथ ही शारीरिक व्यायाम भी कराया।

सेप्टी एंड सोशल रेस्पॉन्सिविलिटी विषय के तहत सेमिनार सम्पन्न हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथियों में आरटीओ-२ संजय कुमार बेहा, ए.सी.पी. कृष्ण चंद्र पाण्डियाही, परिवहन विभाग के पूर्व अतिरिक्त आयुक्त पुलक चौधरी, डॉ.सी.पी. विजय कुमार साहू समेत विशेष अधिकारियों और भुवनेश्वर सबजोन प्रभारी बीके लीना द्वारा दीप प्रज्वलन कर सेमिनार का आगाज हुआ। संगोष्ठी में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बीके लीना ने बताया कि वाहन चलाते हुए मन का शांत, व्यसनमुक्त और तनावमुक्त होना ज़रूरी है, योगीक ज्यादातर दुर्घटनाएं इसी कारण होती हैं, उन्होंने बताया कि राजयोग हमारे विचारों को शांत भी करता है और जीवन को तनावमुक्त तथा व्यसनमुक्त भी बनाता है इसलिए इसे अपने जीवन में सभी को शामिल करना चाहिए।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में भी सहायक है राजयोग



सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथियों

शिव आमंत्रण **गुवाहाटी।** सड़क पर दुर्घटनाओं की

के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए पटिया मुख्य वजह है लोगों द्वारा सड़क यातायात के नियमों और सड़क सुरक्षा उपायों की अनदेखी। सड़क सुरक्षा

और परिवहन विभाग द्वारा होलिस्टिक एप्रोच टू रोड

400 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया, मेडिटेशन के बताए फायदे

शिव आमंत्रण **मुंबई।**

ब्रह्माकुमारीज के मलाड सेवाकेन्द्र द्वारा डिंडोरी के शीला रहेजा गार्डन में निःशुल्क मेडिकल चेकअप कैम्प का आयोजन किया गया, जिसके अन्तर्गत ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल, आई चेकअप, डेंटल, बोन डेन्सिटी समेत अन्य कई जांच इस शिविर में शामिल किए गए जिसका स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर लाभ लिया। तीन दिनों तक लगे इस जांच शिविर का शुभारम्भ बी.एम.सी.के मलाड गार्डन के अधीक्षक एच.पी. गोसावी, फिल्म अभिनेता एवं टी.वी. कलाकार विक्रम मकन्दंसर एवं डॉ. वेद थापड़, ज्ञानधारा सेवाकेन्द्र की प्रभारी बीके शोभा द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया, इस शिविर में चिकित्सा प्रदर्शनी समेत जागरूकता सत्र का भी आयोजन हुआ जिसमें बीके शोभा ने सभी को निद्रा प्रबंधन, स्वास्थ्य के लिए भोजन एवं मेडिटेशन आदि विषयों पर लोगों को प्रेरित किया। शिविर के अन्तर्गत स्वास्थ्य जागरूकता के लिए एक नाटक भी प्रस्तुत किया गया जिसमें डॉ. वेद थापड़ ने स्वास्थ्य रहने के गुर सिखाए। इस कैप का आयोजन विभिन्न चिकित्सा कम्पनियों और अस्पतालों में सन फार्मा, सुराणा अस्पताल तथा अन्य कई संस्थाओं के सहयोग से किया गया था, जिसका लगभग 400 मरीजों ने लाभ लिया।



स्वास्थ्य जांच का फार्म लेते हुए मरीज।

खुश रहने और खुशी बांटने का दिया मंत्र



बैंक ऑफ बड़ौदा के अधिकारियों समेत बीके सदस्य।

शिव आमंत्रण **मोपाल।** ब्रह्माकुमारीज भोपाल के नीलबड़ स्थित सुख शाति भवन सेवाकेन्द्र में बैंक ऑफ बड़ौदा के अधिकारियों के लिए फाइडिंग द परज ऑफ लाइफ विषय पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया। इस मौके पर डिटी जोनल हेड ऑफ यूको बैंक ओ.पी.गुनानी, सीनियर मैनेजर ऑफ केनरा बैंक एल.एन.आर्या, राजयोग शिक्षिका बीके अनुराधा, बीके हेमा और बीके साक्षी सहित अन्य बीके बहनों में खुशी को अपने जीवन में बनाये रखने तथा दूसरों को खुशी बांटने के लिए महत्वपूर्ण टिप्प दिए। इसके साथ ही राजयोग ध्यान पर विस्तार से सभी को कॉमेट्री द्वारा शांति की अनुभूति कराकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

भिलाई के राजयोग भवन में जवानों के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित

बीएसएफ के जवानों को बताए खुश रहने के टिप्प

शिव आमंत्रण **भिलाई।** छत्तीसगढ़ में भिलाई स्थित राजयोग भवन के पीस ऑडिटोरियम में बॉर्ड सिक्योरिटी फोर्स के जवानों के लिए विशेष ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित हुआ जिसके उद्घाटन सत्र में खुट बीएसएफ प्रमुख आईजी जेबी सांगवान और सभी डॉआईजी पहुंचे। इस मौके पर सर्वप्रथम राजयोग शिक्षिका बीके गीता, बीके प्राची एवं बीके माधुरी द्वारा प्रांगण में पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम में जेबी सांगवान ने ब्रह्माकुमारी संस्था का ऐसे शांत और पवित्र वातावरण में ट्रेनिंग स्थान उपलब्ध कराने के लिए आभार व्यक्त किया। इस उपलब्ध में सभी डॉआईजी कमांडेंट, असिस्टेंट कमांडेंट, पर्सोनल सिक्यूरिटी ऑफिसर सहित बड़ी संख्या में बीएसएफ के जवानों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम का लाभ लिया। अंत में आईजी समेत मौजूद सभी डॉआईजी एवं कमांडेंट को इश्वरीय सोगत भेट की गई, साथ ही अपनी दिनचर्या में राजयोग अभ्यास को शामिल करने की अपील भी की गई।



भिलाई: स्थानीय सेवाकेन्द्र में बड़ी संख्या में उपस्थित बीएसएफ के जवान।

उप्र के मऊ में नेता भारत, स्वर्णिम भारत यात्रा पहुंचने पर किया भव्य स्वागत

सभ्य और श्रेष्ठ समाज के लिए युवा नैतिक मूल्यों को अपनाएँ: कलेक्टर

जिलेभर में जगह-जगह कार्यक्रम

आयोजित किए गए

युवाओं को किया मोटिवेट, अच्छे
इंसान बनने का आह्वान



मेरा भारत स्वर्णिम भारत अभियान का मठ पहुंचने पर भव्य स्वागत।

शिव आमंत्रण मऊ/उप्र। यदि हम प्राचीन राजयोग और जीवनशैली को जीवन में अपनायें तो जीवन में सकारात्मक बदलाव हो सकता है। यह युवाओं के लिए अति अहम है। उक उद्गार मठ के जिला कलेक्टर ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज संस्थान मठ द्वारा फारिमा चौराहे स्थित शहनाइ हॉल में आयोजित कार्य में बोल रहे थे। उन्होंने स्वस्थ और स्वच्छ जीवन के लिए सात्त्विक खान पान पर ध्यान रखने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि भारत की प्राचीन सभ्यता में जो भोजन उपयोग में लाये जाते हैं वे सर्वार्थिक स्वास्थ्य वर्धक और लाभकारी होते थे। इसलिए ब्रह्माकुमारीज संस्थान का मेरा भारत स्वर्णिम भारत अभियान निश्चित तौर पर युवाओं के लिए एक सदेश होगा। कार्यक्रम अभियान को अडिनेटर

बाहर की आग से खतरनाक होती है मन की आग



कार्यक्रम में शामिल सुरक्षाकर्मी एवं स्कूली बच्चे।

शिव आमंत्रण इथरस/उप्र। ब्रह्माकुमारीज के आपातकालीन प्रबंधन सेवा के अन्तर्गत अलीगढ़ रोड स्थित आनन्दपुरी कालानी सेवाकेन्द्र एवं अग्निशमन विभाग के विभाग के संयुक्त प्रयास द्वारा बच्चों को जागरूक करने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के पूर्व स्कूल प्रबंधन कमल गुप्ता ने एफएसओ रोजाकुमार गौतम एवं उनके समस्त सदस्यों का स्वागत किया। एफएसओ ने लगी हुयी आग पर काबू पाने के विभिन्न तरीकों से लोगों को अवगत कराया। सुरक्षाकर्मियों द्वारा गैस सिलेंडर के रेगेलिटर में लगी जोरदार आग को बुझाने का प्रदर्शन भी बच्चों के आगे किया। कमल पब्लिक स्कूल में अग्नि सुरक्षा सासाह के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को संबोधित करते हुए बीके दिनेस भाई ने कहा कि किसी स्थान पर लगी हुयी आग तो खतरनाक होती ही है लेकिन ईर्ष्या की अग्नि और कोध की अग्नि समाज के साथ पूरे राष्ट्र को बरबाद कर देती है। इसे शांति के साथ परमपिता परमात्मा के सानिय में ही बुझाया जा सकता है। कमल पब्लिक स्कूल की प्राधानाचार्या मेनका गुप्ता सहित मेनका गुप्ता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सर्वधर्म स्नेह मिलन

ब्रह्माकुमारीज के जोनल हैडक्वार्टर इंदौर ओम शांति भवन में आयोजन

स्वयं को जानना, अध्ययन और अभ्यास करना ही आध्यात्म: विशेष



शिव आमंत्रण इंदौर/ग्नप्र। परमात्म शक्ति द्वारा स्वर्णिम दुनिया की स्थापना थीम 2019-20 के अंतर्गत धर्मिक प्रभाग द्वारा धर्म व आध्यात्म द्वारा ऐश्व दुनिया की स्थापना विषय पर सर्व धर्म स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें शहर के सभी धर्मों के धर्मगुरुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में इंदौर ज्ञान की जोनल निदेशिका बीके आरती ने एकता और भाईचारे का संदेश दिया। धार्मिक प्रभाग के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य बीके नारायण ने कहा धर्म अर्थात् धारणा, आत्मा का स्वधर्म शांति, पवित्रता है। इसमें स्व स्थित होकर ही सुख-शांति की प्राप्ति कर सकते हैं। आध्यात्म अर्थात् स्वयं का ज्ञान, परमात्मा का परिचय व संसार नाटक का ज्ञान। इससे ही आत्मा मुक्ति, जीवन मुक्ति को प्राप्त कर सकती है। मुस्लिम समाज की ओर से शहर काजौ डॉ. मोहम्मद इस्तर ने कहा कि कोई भी मजहब वैर विरोध करना नहीं सिखाता है। लेकिन आज इंसान पर हैवानियत



इनी सी सवार हो गई है कि वह शैतान बन गया है। हरे राम हरे कण्ठ इस्कॉन मंदिर के पार्श्व सारथी दास ने कहा कि जो धर्म का नाश करेगा धर्म उसका नाश करेगा, जो धर्म की रक्षा करेगा धर्म उसकी रक्षा करेगा। क्रिक्षियन धर्म के रेड चर्च के पादरी विशेष चोको ने कहा कि इसका जन्म शांति के लिए हुआ। पूरा विश्व एक कुटुंब है ब्रह्माकुमारीज यह भावना लेकर चलती है जो सराहनीय सेवा है। आध्यात्म अर्थात् ज्ञान, स्वयं को ज्ञान, उसका अध्ययन करना, साथ में अध्यास और अनुभूति करना आध्यात्म का हिस्सा है। आध्यात्मिकता के अंदर छिपा हुआ है, उसका अध्ययन करना ही आध्यात्म है। आ का अर्थ है आत्मा, दूसरा अर्थ है अल्प परमात्मा, तीसरा है सुषि के आदि और अंत के ज्ञान को समझना, यही आध्यात्म है। कार्यक्रम में शहर के करीब 260 भाई-बहनों ने भाग लिया। संचालन बीके आशा ने किया।



अलबिदा

डायबिटीज



बैंके डॉ. श्रीकृष्ण कुमार
मधुमेह रोग विशेषज्ञ
ज्ञानेवत हॉस्पिटल, मारुट आबू

पिछले अंक से क्रमशः

बीमारी एक परंतु रूप अनेक

डायबिटीज मधुमेह के विभिन्न प्रकार

निर्धारित कारण संबंधित डायबिटीज (Other Specific Type or Secondary Diabetes) मुख्यतः डायबिटीज एक जीवन शैली जनित बीमारी है परंतु कुछ एक मनुष्यों में कुछ निर्धारित कारणों से यह बीमारी का जन्म दिखाई देता है। मुख्य कारणों का उल्लेख निम्न प्रकार है :-

- ❖ पैक्रियास ग्रंथि का Beta Cell (बीटा कोशिका) में जेनेटिक (Genetic) विकृतियों (Defect) :- जैसे कि MODY 1 से 6 प्रकार।
- ❖ इंसुलिन का कार्य प्रणाली में विकृति (Genetic Defect) जैसे कि Type A Resistance.
- ❖ पैक्रियास ग्रंथि का बाह्य स्नावी अंश में बीमारी :- जैसे कि ग्रंथि में पथरिया हो जाना (Fibro calculus Pancreatopathy)।
- ❖ अंतः स्नावी ग्रंथियों की विकृतियों जैसे कि एक्रोमेगाली (Acromegaly) कुशिंग सिंड्रोम (Cushing Syndrome)।
- ❖ कुछ दवाइयों के प्रभाव (Drugs) जैसे कि स्टीरोइड्स (Steroids) मानसिक रोगों के लिए बहुत दवाइयां हैं।
- ❖ इनफेक्शन्स (Infections):- जैसे कि रूबेला (Congenital Rubella) मंस (Mumps), Other Bacterial Infections.
- ❖ असाधारण बीमारियां :- Uncommon form of Immune Mediated Disease जैसे कि Stiffman Syndromme.
- ❖ अन्यान्य जेनेटिक बीमारियां :- जैसे कि Down Syndromme, Turner Syndromme आदि आदि।

कुछ विशेष ज्ञातव्य बातें

- यह चौथा प्रकार की डायबिटीज बहुत विरल है जो किसी हजारों में एक मरीज में पाया जाता है इस प्रकार की डायबिटीज की चर्चा हम इसलिए कर रहे हैं कि इसका संपूर्ण जानकारी हो ताकि हम सही उपचार कर सकें।
- सही उपचार तो किसी विशेषज्ञ ही करेंगे परंतु हमें यह जानकारी रखना विशेष जरूरी है कि हमारा शुगर (Blood sugar) सामान्य (Normal) है या नहीं। कारण कुछ भी हो अगर शुगर सामान्य है तो हम डायबिटीज के दुष्प्रभाव से बच सकते हैं।

कैसे पता करें ?

यह चौथा प्रकार की डायबिटीज बहुत विरल है जो किसी विशेषज्ञ द्वारा ही हो सकेगा इसलिए अगर स्वास्थ्य की चेकिंग और परामर्श मधुमेह विशेषज्ञ वा Endocrinologist से कराएं ताकि सही निदान हो सकें और सही उपचार भी हो सकें।

कुछ ध्यान देने योग्य बातें

- ✓ कभी कुछ जरूरी कालीन परिस्थिति में वा कुछेक बीमारी में Steroid की गोलियां लेना अनिवार्य है। नचेत जीवीत रहना असंभव हो जाता है। अगर किसी को लंबे समय तक Steroid लेना पड़ता है तो अवश्य ही अपना ब्लड सुगर बीच-बीच में चेक कराते रहें। अगर शुगर बढ़ता है तो मधुमेह विशेषज्ञ से परामर्श कर उपचार करायें।
- ✓ किसी की पैक्रियास ग्रंथि में Infection (Pancreatitis) हो जाता है तो शीघ्र ही उपका विशेषज्ञ द्वारा चिकित्सा करायें। नचेत यह कभी-कभी जानलेवा भी बन सकती है। साथ-साथ अपना ब्लड सुगर भी चेक कराते रहें। Follow up करें। यदि शुगर की मात्रा ज्यादा रहती है तो इंसुलिन (Insulin) का उपचार करना भी अनिवार्य है। नचेत गोलियों से ज्यादा नुकसान हो सकता है।

-क्रमशः

यहां करें संपर्क

बैंके जगजात मा. 9413464808 पेशेट रिलेशन ऑफिसर, ज्ञानेवत हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, मारुट आबू, ज्ञानेवत, राजस्थान

(सार समाचार)

गीता ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन में राजयोग ज्ञान



शिव आमंत्रण (1) कटनी/ मप्र। ब्रह्माकुमारीज सिविल लाइन द्वारा गीता ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया। इसमें कथावाचक बीके भारती ने कहा कि गीता ज्ञान दाता निराकार ज्योति स्वरूप परमपिता परमात्मा हैं। जब-जब धर्म की गतिनी होती है तभी परमात्मा को आकर सच्ची गीता ज्ञान देते हैं। श्री कृष्ण सत्युगी दुनिया के प्रथम राजकुमार बनते हैं। आयोजनकर्ता बीके लक्ष्मी ने कहा कि कथा में बड़ी संख्या में भाइयों एवं बहनों ने लाभ उठाया। विशेष अतिथि के रूप में कटनी नगर के महापौर शशांक श्रीवास्तव, उद्योगपति सुधीर जैन, एलआईसी के प्रिया मैनेजर सुशील शर्मा आदि ने दीप प्रज्वलन किया।

चेटीचंड में ब्रह्माकुमारीज का संदेश



शिव आमंत्रण (2) उल्लासनगर। महाराष्ट्र के उल्लासनगर में चेटीचंड पर शहर में बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। जिसमें शहर के सभी संतान एवं प्रतिष्ठित नागरिकों समेत कलाकार, साहित्यकार मिलकर सिधियों के देवता झूलेलाल की अर्चना में शामिल हुए। इस अवसर पर शहर के पूर्व विधायक कुमार आइलानी व बीजेपी नेता जमनु पुरस्कर्नी का ब्रह्माकुमारीज की ओर से स्वागत व सत्कार किया गया। ऐसी के दौरान कुर्ला कैप्प रोड सेवाकेंद्र की प्रभारी बीके पुष्पा ने सभी को चेटीचंड की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सामाजिक संस्था आकृति में कार्यक्रम आयोजित, राजयोग मेडिटेशन का बताया महत्व



शिव आमंत्रण (3) अलीगढ़/उप्र। स्थीरुलिटी कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए बीके प्रज्ञा ने कहा कि सामाजिक संस्था आकृति ग्रीन पार्क एपार्टमेंट्स में तथा अलीगढ़ महानगर में सामाजिक सरोकार के अच्छे कार्य कर रही है। आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज को आमंत्रित कर आपने जैसे सोने में सुगंध का समावेश किया है। आकृति समाज में नैतिक मूल्यों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए प्रयासरत है। परमात्मा ने जब यह दुनिया बनाई थी तब यह नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण थी। कालांतर में मानव के देह अभिमान के कारण आज यह अपने निम्न स्तर पर खड़ा है। अब परमात्मा स्वयं भारत में अवतरित होकर नई दुनिया की स्थापना का कार्य कर रहे हैं जिसमें माताओं बहनों की विशेष भूमिका है। इस अवसर पर आध्यात्मिकता के प्रमुख बिंदुओं आत्मा परमात्मा के विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। बीके सत्य प्रकाश ने संस्था का परिचय दिया। बीके मीनू ने गीत प्रस्तुत किए। आकृति की अध्यक्ष ने बीके बहनों को गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। ब्रह्माकुमारीज बहनों ने सभी पदाधिकारियों को ईश्वरीय सौगत दी तथा सेवाकेंद्र पर आने का निमंत्रण दिया।

राजयोग से कर सकते हैं गुणों व शक्तियों का संचार

शिव आमंत्रण (4) जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर स्थित इंडियन आर्मी के सिंगलल्स ऑफिटोरियम में एक आप काइडेंडोस विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। ब्रह्माकुमारीज के करंगा कॉलोनी सेवाकेंद्र एवं इंडियन आर्मी के वृमेन वेलफेर एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी में राजयोग शिक्षिका बीके विनोता ने स्वयं तथा परमात्मा का सत्य परिचय देते हुए राजयोग के माध्यम से स्वयं में गुणों व शक्तियों का पुनः संचार करने की बात कही। इस मौके पर मौजूद इंडियन आर्मी के ऑफिसर्स एवं जवानों की पत्तियों को राजयोग का अभ्यास भी कराया गया।



राजयोग का अभ्यास करते हुए इंडियन आर्मी के जवानों की पत्तियां।

पत्रकार अपनी कलम को स्वर्णिम समाज के विकास में लगाएं

शिव आमंत्रण (5) खंडवा/गढ़। यदि पत्रकार अपने अवचेतन मन की शक्ति को पहचान लेते एक पत्रकार समाज को नई दिशा देने की शक्ति, हिम्मत और ताकत रखता है। पत्रकार ठान लेते तो स्वर्णिम समाज लाने से कोई नहीं रोक सकता है। उक्त उद्गार वरिष्ठ पत्रकार प्रो. कमल दीक्षित ने व्यक्ति किए। ब्रह्माकुमारीज के आनंद नगर विद्यालय भवन सेवाकेंद्र पर मूल्यानुत्तम मीडिया अभिक्रम समिति के संयुक्त तत्वावधान में मीडिया सेमीनार आयोजित किया गया। विषय स्वर्णिम समाज के निर्माण में मीडिया की भूमिका था। इसमें जिलेभर से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और वेब मीडिया के पत्रकार, ब्लॉग चीफ शामिल हुए। मराठी अखबार देशोन्नति के संपादक राजेश राजारे, श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष देवेंद्र जायसवाल, माखनलाल चतुर्वेदी कर्मवीर विद्यापीठ के



मीडिया समेनार का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ करते वरिष्ठ पत्रकार और बीके सदस्य।

प्राचार्य संदीप भट्ट ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शक्ति ने स्वागत भाषण दिया। हरसूद सेवाकेंद्र प्रभारी बीके संतोष ने संचालन किया। शिव आमंत्रण के संयुक्त संपादक बीके पुष्पेन्द्र ने ब्रह्माकुमारीज के मीडिया प्रभाग की सेवाओं पर प्रकाश डाला।

दरगाह के मुस्लिम समुदाय भी हुए राजयोग से अवगत



अजमेर दरगाह पर चादर के साथ ब्रह्माकुमारीज बहनें।

शिव आमंत्रण (6) अजमेर/राजस्थान। ब्रह्माकुमारीज के धोलाभाटा सेवाकेंद्र के तत्वावधान में चंद्रवरदाई नगर डी ब्लॉक में भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री अनीता बहन ने कहा यहां राजयोग का सेंटर बन जाने पर अनेक लोगों को राजयोग सिखने का सौभाग्य प्राप्त होगा जिससे उनकी जीवन शैली में सकारात्मक बदलाव आएगा। इस अवसर पर राजयोगिनी बीके शांति ने कहा यहां सभी को राजयोग सिखने का अवसर मिलेगा ही साथ में यह स्थान आत्म अनुरूप एवं परमात्मा अनुरूपता का केंद्र सबसे बड़ा केंद्र बनेगा। कार्यक्रम में किशनगढ़ एयरपोर्ट के डायरेक्टर अशोक कपूर तथा दरगाह के गवीनशीन अजमत भाई जी भी मौजूद रहे। मोर्निंग खाजा साहब की दरगाह में जियारत कर खाजा साहब की दरगाह के मुस्लिम भाइयों को ब्रह्माकुमारीज संस्थान की ओर से सिखाया जा रहा मैडिटेशन के लिए निमंत्रण दिया गया। वहाँ बीके ज्योति ने सबका स्वागत किया।

नीमच संभाग की इंचार्ज बीके सविता दीदी, पार्षद एवं डिटी मेयर सम्पत्ति संखला, धोलाभाटा सेवाकेंद्र की इंचार्ज बीके कल्पना बहन मंच पर विराजमान थे। अजमेर जिलाध्यक्ष शिवशंकर हेड़ा ने कहा यहां राजयोग सेंटर बनने से अनेक लोगों को लाभ मिलेगा तथा सकारात्मक जीवन जीने की कला भी मिलेगी। इस अवसर पर पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री अनीता बहन ने कहा यहां राजयोग का सेंटर बन जाने पर अनेक लोगों को राजयोग सिखने का सौभाग्य प्राप्त होगा जिससे उनकी जीवन शैली में सकारात्मक बदलाव आएगा। इस अवसर पर राजयोगिनी बीके शांति ने कहा यहां सभी को राजयोग सिखने का अवसर मिलेगा ही साथ में यह स्थान आत्म अनुरूप एवं परमात्मा अनुरूपता का केंद्र सबसे बड़ा केंद्र बनेगा। कार्यक्रम में किशनगढ़ एयरपोर्ट के डायरेक्टर अशोक कपूर तथा दरगाह के गवीनशीन अजमत भाई जी भी मौजूद रहे। मोर्निंग खाजा साहब की दरगाह में जियारत कर खाजा साहब की दरगाह के मुस्लिम भाइयों को ब्रह्माकुमारीज संस्थान की ओर से सिखाया जा रहा मैडिटेशन के लिए निमंत्रण दिया गया। वहाँ बीके ज्योति ने सबका स्वागत किया।

स्वर्णिम भारत के लिए पीस मैसेंजर बस का आगमन....

सभी ने मेरा भारत स्वर्णिम भारत बनाने का लिया संकल्प

पीस मैसेंजर बस से युवाओं में जगा रहे देशभक्ति की अलख

यात्री सेमीनार के माध्यम से कर रहे प्रेरित, जगह-जगह कार्यक्रम

स्वर्णिम भारत



अखिल भारतीय प्रदर्शनी बस अभियान का स्वागत करते हुए बौद्ध भिक्षु महेंद्र भंते।

राजेश्वर सिंह ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अभियान के जरिए बीके सदस्यों ने बताया कि भारत को स्वर्णिम बनाने के लिए पहले अपने अंदर नैतिक मूल्य और युवा जोश के साथ सकारात्मक साच की आवश्यकता है। इसके अलावा मन की स्वच्छता, योग द्वारा परमात्मा से जुड़ने, युवाओं में जगाया रामायण के संकल्प कराया गया।



स्व प्रबंधन

बीके ऊषा, स्व प्रबंधन विशेषज्ञ, माउंट आवू
पिछले अंक से क्रमशः...

त्रेतायुग

धीरे-धीरे समय का पहिया धूमता है और सतयुग बीत जाता है। काल चक्र का दूसरा प्रहर शुरू होता है, जिसे त्रेतायुग कहा जाता है जहां स्वास्तिका की दाहिनी भुजा। नीचे की ओर झुक जाती है। त्रेता का अर्थ जहाँ थोड़ी त्रुटि (कमी) आ जाती है। इसलिए त्रेतायुग का चंद्रवंश भी कहा जाता है। चंद्रवंशी, सतयुग की सोलह कला संपूर्णता की स्थिति से दो कला नीचे उत्तर आते हैं। हालांकि उनकी पवित्रता की आभा में कोई ज्यादा अंतर नहीं आता परंतु जैसे संपूर्ण चंद्रमा को दो दिन बाद देखो तो उसकी रोशनी में कोई अधिक अंतर नहीं आता फिर भी उसे थोड़ा खटित होता है। अब वे सतोपृथग्नाता के तेज में थोड़ा अंत आ जाता है। अब वे सतोपृथग्नाता से सतो की अवस्था में आ जाते हैं। पवित्रता, सुख-शांति, समृद्धि इस प्रहर में भी रहती है। इसलिए इस युग को भी स्वर्गी ही माना जाता है। भारत में तेतीस करोड़ देवी-देवताओं का गायन किया जाता है। इस युग में राज्य करने वाले श्री राम और श्री सीता जी हैं। श्री राम के साथ चंद्र शब्द जुड़ कर श्री रामचंद्र जी बन जाता है। इसका भावर्थ यह है कि श्री राम से चंद्रवंश आरंभ हो जाता है। इसलिए श्री राम के पूर्वजों को सूर्यवंशी के रूप में दिखाते हैं। इसी कारण वे तिलक के रूप में सूर्य का चिन्ह लगते हैं। श्री राम से राम राज्य आरंभ हो जाता है। इसलिए महात्मा गांधी ने राम राज्य का स्वप्र देखा था। उन्होंने सोचा था कि सतयुग-त्रेतायुग की अद्वैत भावना समाप्त हो जाती है और द्वैत भावना के कारण आपस में मत-भेद आरंभ होता है। मत-भेद के कारण ही दुःख-अस्थानी आरंभ होती है और तभी कहा जाता है:-

‘राम राजा, राम प्रजा, राम साहूकार है।

बसे नगरी, जिये दाता धर्म का उपकार है॥

कई बार लोगों के मन में यह प्रश्न जरूर उठता है कि देवताओं ने ऐसे कौन से कर्म किये जो वह सीढ़ी नीचे उतरे, या उनकी कला कम हो गई? यहां कोई कर्म करने की बात नहीं है लेकिन संसार और प्रकृति का एक नियम यह है कि परिवर्तन एक नित्य प्रक्रिया है। विज्ञान में ऊर्जा

सृष्टि-चक्र के अंतर्गत काल-चक्र की कहानी

गति का दूसरा सिद्धांत, जो एन्ड्रोपी का नियम है, वह यही दर्शाता है कि इस संसार में पहले हर चीज सुव्यवस्थित होती है और फिर सुव्यवस्थित स्थिति से अस्त-व्यवस्थ हो जाती है। जब मकान बनाते हैं तो नया होता है फिर वह समयानुसार पुराना हो जाता है। कोई भी चीज ऊपर से नीचे अपने आप आती है। जबकि नीचे से ऊपर जाने के लिए उसे चढ़ना पड़ता है। पानी ऊपर से नीचे अपने आप आता है, यह एक स्वभाविक प्रक्रिया है। ऐसे ही संपूर्ण रियल हुआ चंद्रमा पूर्णमासी में एक घड़ी रहता है, दूसरी घड़ी से फिर वह अमावस की ओर चलने लगता है अर्थात् कोई भी चीज एक ही स्थानी स्थिति में नहीं रहती। ऐसे ही देवी-देवता भी अपनी सोलह कला वाली संपूर्ण स्थिति में सदाकाल नहीं रह सकते। धीरे-धीरे उनकी कला का क म होना एक स्वभाविक प्रक्रिया है क्योंकि इस सृष्टि रुपी नाटक में विभिन्न रोल निभाते-निभाते आत्मा की शक्ति का क्षीण होना भी एक कुदरती प्रक्रिया है।

द्वापरयुग

जब कालचक्र का आधा समय बीत जाता है फिर इसका तीसरा भाग शुरू होता है। स्वास्तिका का हाथ दाहिने से बाई और मुँह जाता है। यहां सत्यता और एकता समाप्त होने लगती है। इसे द्वापरयुग कहते हैं। द्वापर का अर्थ है जहाँ से दो पुर अभ भी होते हैं। एक धर्म सत्ता और दूसरी राज्य सत्ता दोनों अलग होने लगते हैं। अब सत्यता के साथ असत्यता भी जीवन में आने लगी। ब्रह्म का दिन समाप्त हुआ और ब्रह्म की रात्रि का समय शुरू हुआ। शास्त्रों में यह वर्णन है कि देवी-देवतायें वाम-मार्ग में गये। वाम-मार्ग में गये। वाम-मार्ग से विकृत मार्ग या विषय-विकारों के मार्ग पर मुँह गये। सतयुग-त्रेतायुग की अद्वैत भावना समाप्त हो जाती है और द्वैत भावना के कारण आपस में मत-भेद आरंभ होता है। मत-भेद के कारण ही दुःख-अस्थानी आरंभ होती है और तभी कहा जाता है:-

‘दुःख में सिमरन सब करे, सुख में करे न कोई, जो सुख में सिमरन करे, तो दुःख काहे को होई।’
भावार्थ:- दुनिया में दुःख इसलिए आया क्योंकि दुःख (सतयुग-त्रेतायुग के समय) में किसी ने परमात्मा को याद ही नहीं किया, अगर सुख के समय में यानि सतयुग और त्रेतायुग में परमात्मा को याद करते तो दुःख इस संसार में क्यों आता? यहां कोई कर्म करने की बात नहीं है लेकिन संसार और प्रकृति का एक नियम यह है कि परिवर्तन एक नित्य प्रक्रिया है। विज्ञान में ऊर्जा

ईश्वरीय सेवाकेंद्र को सालभर में पूरा करने का लिया संकल्प

शिव आमंत्रण ➡ उंचगांव/गढाराड़। पुणे-बैंगलुरु राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोल्हापुर स्थित उंचगांव में ईश्वरीय सेवाकेंद्र बनने जा रहा है। यह धार्मिक पर्यटन स्थल गोवा-कर्नाटक तथा पुणे-मंबई को भी जोड़ता है। इस पूरे क्षेत्र को यह भवन अपना लाईट और माईट देगा इसलिए इस भवन का नाम लाईट हाउस रखा जाए। इस कार्य के एक साल के अंदर पूरा करने का संकल्प लिया गया। उपस्थित भाई-बहनों ने करतल छवि से इस घोषणा का स्वागत किया। पुणे जोन की संचालिका राजयोगिनी सुनदा बहन की उपस्थिति में यह स्वागत समारोह संपन्न हुआ। बाबा के भवन के लिए जमीन उपलब्ध कराने वाले बीके मेरे का इस पुनीत कार्य के लिए सम्मानित किया गया।



संस्था पूरे विश्व में शांति फैलाने का कार्य कर रही: पूर्व एसडीएम

शिव आमंत्रण ➡ भाद्रा/राजस्थान। ब्रह्माकुमारीज के स्नेह मिलन कार्यक्रम में पूर्व एसडीएम सुखाराम पिंडेल, पुष्पेन्द्र सासड़िया एवं बजरंग शेखावत बीके चन्द्रकांता जी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। सुखाराम जी ने कहा कि महिलाओं द्वारा संचालित यह संस्था पूरे विश्व में शांति फैलाने का कार्य सफलतापूर्वक कर रही है। इससे लोगों के बीच आध्यात्मिक क्रांति का विकास हुआ है। पुष्पेन्द्र ने कहा कि समाज में और देश में लाई-झगड़ा खत्म करने का जो कार्य पुलिस को करना चाहिए वह ब्रह्माकुमारीज संस्थान कर रही है। आज भारतीय नारी पूरे विश्व में पथ प्रदर्शक बनी हुई हैं। बीके चन्द्रकांता ने ब्रह्माकुमारीज द्वारा किए जाने वाले कार्यक्रम की संक्षिप्त जानकारी दी जिसे सुनकर सभी ओत-प्रोत हुए।



झूले लाल जयंती पर सिखाया राज्योग

शिव आमंत्रण ➡ फर्स्टचाबाद/उप्र। ब्रह्माकुमारीज झूले लाल जयंती के अवसर एक कार्यक्रम सिन्धी समाज के लोगों के बीच आयोजित किया। कार्यक्रम में बीके मंजु बहन ने उपस्थित लोगों को सहज राज्योग के बारे में बताते हुए कहा कि अगर जीवन में राज्योग को अपना लिया जाए तो किसी भी प्रकार की परेशानी से मुक्त हुआ जा सकता है।



मीरचंदानी चैरिटेबल ट्रस्ट के नवनिर्मित पुष्पहरी सभागृह का उद्घाटन

शिव आमंत्रण ➡ इंदौर/मध्य। आदर्श पलसीकर कॉलोनी रहवासी परिषद के दीवान पलसीकर गोल बगीचा में मीरचंदानी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा नवनिर्मित पुष्प हरी सभागृह के उद्घाटन समारोह में

चन्द्र प्रभास शेखर, पूर्व मंत्री कांग्रेस, शंकर लालवानी अध्यक्ष, इंदौर विकास प्राधिकरण कार्यक्रम में समाजसेवी गिरिश मरतानी, विजय मीरचंदानी, अनिल फतेहचंदानी एवं विशाल गिडवानी भी मौजूद थे। दीदीजी का समान भ्राता जोगिन्दर सिंह होरा अध्यक्ष, आदर्श पलसीकर कॉलोनी रहवासी परिषद् एवं श्रीमती कंचन गिडवानी पाण्डे, प्रेमनगर क्षेत्र ने शाल एवं मोमेटो द्वारा किया गया।



प्रसिद्ध हैं भारत में ताले नहीं लगते थे, कोई रोता नहीं था, कोई भूखा नहीं था, चोरी नहीं थी कितना सुंदर समय था। अब हजार साल पहले चले तो कैसा समय होगा अति सुंदर। हम सभी मनुष्य अभी जो यहां बैठे हैं देवी देवता थे। अप इस सत्य को जान और स्वीकार करें। हम केवल अपने वर्तमान जीवन को देखते हैं ये संसार कैसा है, कितना पाप बढ़ गया, आंतकवाद बढ़ गया, अशांति हिंसा बढ़ गई लेकिन हम देव युग में थे।

देवत्व हमारे अंदर छुपा है, हमें उसको जगाना है...

देवी देवताओं की जो भारत में पूजा हो रही है ये और कूछ नहीं, बल्कि हम अपने पूर्वजों को सम्मान दे रहे हैं। जैसे हम अपने दादा-दादी का फोटो रख लेते हैं फूलमाला भी चढ़ा देते हैं, धीरे-धीरे यही बात पूजा में बदल गई। हमारा देश तो देव भूमि था। यहां देवी देवताओं का वास था और वो देवी देवता कौन थे? हम ही थे। इसलिए हमारे अंदर सम्पूर्ण देवत्व छुपा हुआ है। पहचाने सभी छुपे हुए देवत्व को। सब को अनुभव है आप कहीं द्वृष्ट बोल दो, कभी न कभी द्वृष्ट बोला जाता है तो कहीं न कहीं थोड़ी देर के बाद आपकी दिल खाने लगती है। बहुत कम लोग होंगे जो पाप करके खुशी मनाते हों, उनका मन रोता है गलत हो गया अब नहीं करेंगे। देवत्व हमारे अंदर छुपा हुआ है हमें उसको जगाना है। हम सभी के पास बहुत सुंदर बुद्धि है लेकिन वो सो गई है। उसके ऊपर कई परतें चढ़ गई हैं उन परतों को हमें उतारना है, जिससे हमारा जीवन बहुत सुखी हो जाएगा।



समस्या समाधान

ब्र.कु. सूरज भाई

वरिष्ठ राज्योग प्रशिक्षक

विज्ञान की सक्रियता के बावजूद बढ़ रही मानवीय दूरियां



दीप प्रज्वलित कर सूचना तकनीकी प्रभाग सम्मेलन का उद्घाटन करते अतिथियां।

माउंट आबू में सूचना प्रौद्योगिकी प्रभाग का सम्मेलन आयोजित

शिव आमंत्रण ➡ माउंट आबू। ब्रह्माकुमारीज संस्था के ज्ञान सरोकर में सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े लोगों के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ताओं ने कहा कि विज्ञान ने जहां

संसार को जोड़ने का कार्य किया है वहीं परिवारिक व्यवहार व आपसी दूरियां भी बढ़ाई हैं, वर्तमान समय विज्ञान और आध्यात्म के समन्वय से ही भारत को फिर से स्वर्ग बनाने की आवश्यकता है। ब्रह्माकुमारीज संगठन के आस्ट्रेलिया सेवाकेंद्रों की प्रभारी, ज्ञान सरोकर अकादमी की निदेशिका राजयोगिनी डॉ. निर्मला ने कहा कि संकल्प शक्ति को किसी

भी हालत में व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। सूचना संप्रेषण संसाधनों की बदौलत समूचा संसार एक गांव की तरह बन गया है। एक सेकेण्ड में ही कोई भी सूचना संसार के दूसरे छोर पर पहुंच जाती है। लैकिन उससे भी महत्वपूर्ण है मानव की संकल्प शक्ति जो प्रकृति को भी प्रभावित करती है। अंतर्राष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर, अवेकिनिंग विद् ब्रह्माकुमारीज फेम बीके शिवानी ने कहा कि जरूरत से अधिक अनावश्यक रूप से आधुनिक साधनों का उपयोग सेहत के लिए घातक बनाता जा रहा है। जिससे मनुष्यों को कई प्रकार की तनावजन्य व्याधियों का शिकार होना पड़ रहा है। संसाधनों का उपयोग करते हुए अपने श्रेष्ठ संस्कारों को नहीं भूलना चाहिए। संगठन के मल्टीमीडिया प्रभाग प्रमुख बीके करुणा ने कहा कि संकल्प शक्ति के आगे संसार की सभी शक्तियां गौण हो जाती हैं। यदि संकल्प शक्ति के महत्व को जानकर उसे कार्य में लगाया जाए तो उसके सुखद परिणाम प्राप्त होंगे।

कैंसर मुक्त अभियान रथ यात्रा से बताए नशे के दुष्परिणाम, बीमारी के प्रति किया जागरूक

शिव आमंत्रण ➡ टाणे/महाराष्ट्र। गुडी पाडवा के पावन अवसर पर टाणे महाराष्ट्र शासन आरोग्य विभाग, टाणे ऑस्ट्रेट्रीक्स व गायनाकोलॉन्जिस्ट सोसाइटी (ओजीएस) और ब्रह्माकुमारी मेडिकल प्रभाग के संयुक्त तत्वावधान में कैंसर मुक्त अभियान रथ यात्रा निकाली गयी। चित्रों, स्लोगन, और झांकियों द्वारा यह दर्शाया गया कि शरीरिक ही नहीं मानसिक स्वास्थ्य भी कैंसर जैसी गंभीर बीमारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ओजीएस के जनरल सेक्रेटरी डॉ. महेश जोशी, डॉ. रेखा थोटे व टाणे बीके सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी लतिका व अन्य भाई-बहनें बड़ी संख्या में कैंसर मुक्ति के इस जन कल्पना जागरूकता अभियान में शामिल हुए। राजयोग से मन को शांति मिलने के साथ-साथ व्यक्ति का मनोबल भी बढ़ता है। बीमारी के प्रति हमारा दृष्टिकोण सकारात्मक होता जाता है, जिससे कैंसर जैसी खुराकानाक बीमारी से लड़ने की ताकत मिलती है। इसी परिकल्पना को सप्त करने के लिए शोभा यात्रा में विभिन्न चित्रों द्वारा रथ के सजाया गया था। इस शोभा यात्रा में परिवार सहित नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. गायत्रोंडे, विधायक एडवोकेट श्री निरंजन डावखरे व सीए श्री संजीव ब्रह्मे, ब्रह्माकुमारी भाई-बहनें भी उपस्थित थे। शोभा यात्रा में ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र द्वारा एक काल्पनिक यज्ञ कुंड भी बनाया गया था, जिसमें मुख्य रूप से पांच विकार को दर्शाया गया। लोगों ने खुशी-खुशी इस अनोखे यज्ञ कुंड में अपने दोष को प्रवाहित किया। यज्ञ कुंड में हिस्सा ले रहे हर एक व्यक्ति को वरदान भी दिया गया। वरदान को पाकर अद्भुत खुशी का अनुभव कर रहे थे।



कैंसर मुक्त अभियान रथ यात्रा द्वारा जन जागृति

सेमीनार: खुशी है जीवन का मूल उद्देश्य, इसे दूसरों को साथ भी बांटें

शिव आमंत्रण ➡ जोगाला/ग्राम। ब्रह्माकुमारीज के सुख शांति भवन नीलबड़ भोपाल में निकट भविष्य में बैंक ऑफ बड़ोदा से सेवानिवृत होने वाले अधिकारियों के लिए 'जीवन का उद्देश्य' विषय पर एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया गया। इसमें ब्रह्माकुमारी बहनों मुख्य वक्ता बीके हेमा, बीके साधी, बीके सरला और बीके प्रियंका ने खुशी को जीवन का मूल उद्देश्य

बताया और इसे अपने जीवन में बनाये रखने तथा दूसरों को खुशी बांटने के लिए महत्वपूर्ण टिप्पणी दिए। बीके बहनों ने बताया कि राजयोग से ही जीवन में खुशियां प्राप्त हो सकती हैं। चाहे उम्र जो भी हो। बता दें कि नवनिर्मित सुख शांति भवन का हाल ही में शुभारंभ किया गया है। तब से यहां आमजन के लिए मोटिवेशनल सेमीनार नियमित रूप से आयोजित किया जा रहे हैं। सेवाकेंद्र संचालिका बीके नीता दीदी ने बताया कि हमारा उद्देश्य है कि भवन के माध्यम से समाज के अधिक से अधिक लोगों को राजयोग का लाभ मिले। विशेष अतिथि ओपी गुनानी, डिप्टी जोनल हेड ऑफ यूको बैंक एलएन आर्या, बीके आराधना, बीके सुंदरी, बीके उर्मी मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।



बीके बहनों एवं अन्य अतिथियों द्वारा कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन किया गया।

पर्यावरण

एक कदम प्रकृति संपदा संरक्षण की ओर

गौरैया एवं जल संरक्षण से होगा हमारा पर्यावरण संतुलित

शिव आमंत्रण ➡ हटुडागंज/उप्रा। गौरैया एवं जल संरक्षण कार्यक्रम में अपना विचार प्रस्तुत करते हुए बीके सत्य प्रकाश ने कहा कि दोनों ही पर्यावरण संरक्षण के लिए बहुत आवश्यक हैं। चिंडिया पराग कणों तथा बीजों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाती है, जिसमें पौधों का विशेष रूप से संरक्षण करने की आवश्यकता है। आज और ग्रामिण समाज को विशेष रूप से संरक्षण करने की आवश्यकता है। जहाँ वृक्ष हैं वहाँ जल संरक्षण स्वतः हो जाता है। बीके कमलेश ने कहा कि परमात्मा ने जब यह दुनिया बनाई थी तब पर्यावरण की कोई समस्या नहीं थी। नदियों में सुगंधित पानी था। रंग-बिरंगे पंछी वृक्षों पर कलरव करते थे। चारों ओर हरियाली खुशहाली थी। परंतु समय बीतने पर कलियुग के अंत में सब तरफ समस्या ही समस्या है। ऐसे ही समय भगवान् धर्मी पर सब समस्याओं का समाधान करने आ चुके हैं। अब चिंता करने की आवश्यकता है। श्री डॉस्कूल की डाइक्टर पुष्पा शर्मा ने बीके बहनों को गुलदस्ता भेंट कर



स्वागत किया गया तथा पुनः पधारने का अनुरोध भी किया। बीके कमलेश ने सभी अतिथियों को सेवाकेन्द्र पर आमंत्रित किया। इस अवसर पर बच्चों ने बहुत सुंदर वृक्षारोपण, गौरैया एवं जल संरक्षण की लघु नाटिका प्रस्तुत कीं।

(सार समाचार)

एक परमात्मा से स्वर्णम युग की शुरुआत



शिव आमंत्रण ➡ इंदौर। कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम कलाकारों के सहयोग से स्वर्णम दुनिया की स्थापना का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए इंदौर जोन की जोनल निदेशिका बीके आरती दीदी, वीणा पत्रिका के संपादक राकेश शर्मा, वरिष्ठ साहित्यकार सदाशिव कौतुक, कल्पक डांसर चित्रांगदा, सोनल अरोरा व अन्य कलाकार। इसमें बीके आरती दीदी ने कहा कि सृष्टि पर एक समय ऐसा आता है जब परमपिता परमात्मा को स्वयं हिंस धरा पर आकर अपना परिचय देना पड़ता है। परमात्मा सत्य ज्ञान देने के साथ ही सत्युगी दुनिया के लिए एक धर्म, एक भाषा और एक राज्य की स्थापना करते हैं। इसके लिए हमें उस एक परमात्मा को ही याद करना है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर ब्लड डोनेशन कैम्प संपन्न



शिव आमंत्रण ➡ निम्बाहेड़ा/राजस्थान। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर निम्बाहेड़ा नगर में पहलवन संस्था द्वारा ब्लड डोनेशन कैम्प लगाया गया। बीके शिवली बहन सहित कई बीके भाई-बहनों ने ब्लड डोनेट किया। कार्यक्रम की शुरुआत में लॉयन्स क्लब की प्रेजिडेंट वर्षा बहन ने बीके शिवली बहन का स्वागत किया। बीके शिवली बहन ने बताया कि रक्त दान महादान हैं। हर मनुष्य को रक्त दान अवश्य करना ही चाहिए। इस अवसर पर लायन्स क्लब की ओर से बीके शिवली बहन को ब्लड डोनेट करने के लिए धन्यवाद के साथ सर्टीफिकेट भी दिया।

पतंजलि योगपीठ महिलाओं को किया सम्मानित



शिव आमंत्रण ➡ फिरोजाबाद/उप्रा। पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के तत्वावधान में हिंदू नव वर्ष चैर शुक्रल प्रतिपदा संवत्सर 2067 के अवसर पर उसी महीने होने वाली राष्ट्रीय महिला दिवस हेतु टूट्डला सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके विजय के अतिरिक्त अन्य उपस्थित लोगों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सेवाकेन्द्र प्रभारी ने उपस्थित लोगों को राजयोग मेडिटेशन के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि दुनिया में जिस प्राचीन राजयोग की चर्चा होती है तदरसल वह परमपिता परमात्मा द्वारा अभी बताया गया सहज राजयोग ज्ञान ही है। परमात्मा इस धरा पर कब आते हैं, आने का उनका मकसद क्या होता है, इसकी भी संक्षिप्त जानकारी दी गयी।

पार्श्व गायिका तीजन बाई का किया सम्मान

शिव आमंत्रण ➡ गिलाई। छत्तीसगढ़ की पंडवानी गायिका तीजन बाई (पद्मभूषण एवं पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित) को आत्मा एवं परमात्मा का सत्य ज्ञान दिया गया। उन्हें यह भी बताया गया कि सहज राजयोग से ही सभी समस्याओं का निदान संभव है। इस अवसर पर बीके शिवली बहन एवं बीके रवि बहन द्वारा इश्वरीय सौगत भी प्रदान किया गया।

मीडिया और सामाजिक कल्याण से ही होगा बदलाव

शिव आमंत्रण ➡️ अहंगदाबाद। ऑल मीडिया काउंसिल के द्वारा अवार्ड कार्यक्रम की आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चैतन्य महाप्रभु भगवान शरण बापू उज्जैन, मध्यप्रदेश ने की। कार्यक्रम के पूर्व ज्ञाननेत्र विश्वकर्मा ने सभी अतिथियों का बुके देक सम्मानित किया। वर्ष 2019 के अवार्ड हेतु बीके नंदिनी बहन का चयन किया गया। उम्मा शाह ने बीके नंदिनी बहन को शॉल पहनकर सम्मानित किया। समारोह में भारी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। बीके नंदिनी बहन ने कहा कि यह मेरा व्यक्तिगत सम्मान नहीं है, यह ब्रह्माकुमारीज का सम्मान है। यह अध्यात्मिक मीडिया जगत का भी सम्मान है। मीडिया और सामाजिक कल्याण से ही एक ज्योति जगाने का कार्य होगा। परमात्मा का संदेश देने का कार्य मीडिया क्षेत्र से ही होगा। इस अवसर पर छोटे बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम की सराहना की गई।



ब्रह्मचर्य के साथ सात्विक जीवन राष्ट्र के आधार स्तम्भ



शिव आमंत्रण ➡️ कोल्हापुर/महाराष्ट्र। महाराष्ट्र और अन्ध्रप्रदेश जोन की निदेशिका राजयोगिनी बीके संतोष दोदी ने कहा कि व्यक्तिगत और सामाजिक रूप से गिरावट के लिए हम सभी जिम्मेदार हैं। परिवर्तन की शुरुआत खुद से ही करनी होगी। इसलिए अखंड ब्रह्मचर्य का पालन करने वाले ही राष्ट्र के सच्चे आधार स्तम्भ हैं। इसलिए हमारे जीवन में पवित्रा का बहुत महत्व होना चाहिए। पुणे जोन की संचालिका राजयोगिनी बीके सुनंदा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुए इस कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

विश्व पृथ्वी दिवस पर पृथ्वी का मॉडल लेकर लिया संकल्प
शिव आमंत्रण ➡️ टूटड़ा/उप्र। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में पृथ्वी मॉडल हाथ में लेकर संकल्प लेते हुए, राजेंद्र पाल सिंह, एडीओ रेखा गुप्ता जी जूलौंजी अध्यापिका, डॉ. डीके जैन प्रधानाचार्य, खेतपाल सिंह प्रधानाचार्य, नेत्रपाल सिंह प्राकृतिक चिकित्सक, बीके विजय बहन, बीके ननु एवं अन्य ने पृथ्वी को सतोप्रधान बनाने के लिए संकल्पित हुए।



पीस मैसेंजर बस यात्रा पहुंची गोरखपुर, जोरदार स्वागत किया

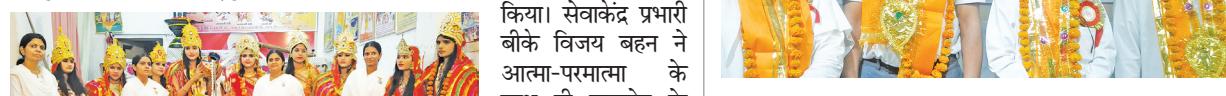
शिव आमंत्रण ➡️ गोरखपुर/उप्र। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर युथ विंग का कार्यक्रम किया गया। साथ में अखिल भारतीय प्रदर्शनी बस अभियान 2017-2020 के अंतर्गत मेरा भारत स्वर्णीम भारत अभियान का आयोजन धूमधाम से किया गया। अतिथियों को ईश्वरीय सौगत देकर बीके बहनों ने स्वागत भी किया। मंच पर गोरखपुर नगर विधायक राधा मोहन अग्रवाल, मेराय सीता राम जैसवाल, बीके गीता, बीके पुष्पा, बीके पारुल, बीके सुनीता, बीके विपिन उपस्थित रहे।

नवरात्रि पर चैतन्य देवियों की झांकी सजाई

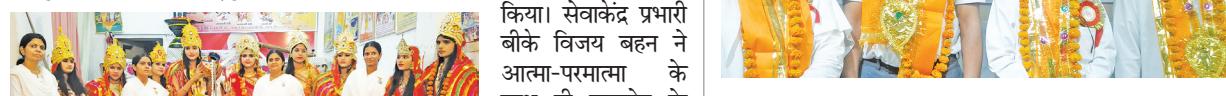
शिव आमंत्रण ➡️ टूटड़ा/उप्र। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र में चैत्र नवरात्रि कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. अंसू गुप्ता ने चैतन्य देवियों की झांकी का फीता काटकर उद्घाटन किया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके विजय बहन ने आत्मा-परमात्मा के साथ ही राजयोग के संबंध में विस्तारपूर्वक बताया। मुख्य अतिथि ने ब्रह्माकुमारी द्वारा की जा रही कार्यों की काफी सराहना और प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आज पूरे विश्व में ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा देवी दुनिया यानी स्वर्ग की स्थापना हो रहा है। साथ में बहन प्रतिभा उपाध्याय जी (स्वीप ब्रांड अवेन्सडेर) शिव प्रसाद मेमोरियल बालिका महाविद्यालय की प्रधानाचार्या लक्ष्मी ने भी संस्था के कार्य की सराहना की।



रही कार्यों की काफी सराहना और प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आज पूरे विश्व में ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा देवी दुनिया यानी स्वर्ग की स्थापना हो रहा है। साथ में बहन प्रतिभा उपाध्याय जी (स्वीप ब्रांड अवेन्सडेर) शिव प्रसाद मेमोरियल बालिका महाविद्यालय की प्रधानाचार्या लक्ष्मी ने भी संस्था के कार्य की सराहना की।



शिव आमंत्रण ➡️ उदयपुर/राजस्थान। स्पार्क विंग के कार्यक्रम के दैयान मुख्य अतिथि प्रा. शति कुमार ने अपने 15 वर्षों का योगिक खेती के अनुभवों को शेयर किया। कार्यक्रम के पूर्व मुख्य अतिथि ने स्पार्क विंग के राष्ट्रीय संयोजक बीके श्रीकात को शॉल, बैंज और सौगत देकर सम्मानित किया। सेन्टर प्रभारी रीटा ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज विंग 80 वर्षों से विश्व को सद्गत्ता देने का कार्य कर रही है। उदयपुर में अध्यात्मिकता को विज्ञान के साथ आगे ले जाने के लिए लोकप्रिय चैप्टर का शुभारंभ किया गया।



(नई रहें)

पारिवारिक रिश्तों की नींव-धैर्य व सहनशीलता

बीके पुष्पेन

धैर्य, धीरज, धैर्यता। जीवन की पाठशाला के ये वो सूत्र हैं जिसे हल करने, समझने और प्रयोग करने से पारिवारिक संबंधों को नई मजबूती और आधार मिलता है। जीवन की गणित को सुलझाना तो आसान होता ही है, साथ ही रिश्तों की मिठास भी बढ़ जाती है। आज पारिवारिक ढांचा भरभरकर गिरने में अहम कारण रिश्तों में धैर्य और सहनशीलता रूपी नींव का अभाव होना है। हम जितनी तेजी से वैज्ञानिक संपन्नता की ओर बढ़ रहे हैं उतनी ही तेजी से पारिवारिक रिश्तों की गरिमा, विश्वास, स्नेह, प्रेम, अपनापन, वात्सल्य और मजबूती को खोते जा रहे हैं। क्योंकि हम सब करना भूलते जा रहे हैं। जबकि धैर्य तो आशा की बो कला है जिसे जितना माझते जाएंगे वह उतनी ही निखरती जाएगी। ऐसी स्थिति में ये आत्मावलोकन जरूरी हो जाता है कि क्या हम रिश्तों और संबंधों को खुबसूरी के साथ निभाने में सफल हैं? क्या रोजाना की छोटी-छोटी बातों में हम अपना आपा खो बैठते हैं? क्या किसी रिश्ते को बचाने, उसे संवारने और नई दिशा देने के प्रति गंभीर हैं? धीरज के अभाव में कहीं रिश्तों की डोर फिसल तो नहीं रही है? जीवन संगीत को तू-तू मैं-मैं की करक्षा तान से बेसुरा तो नहीं बना लिया है? वर्तमान के पलों का धूप-छाप की जुगत में ही तो नहीं गंवा रहे हैं? ये वो सवाल हैं जो हर मन में कौशला लाजिमी हैं। अंतर आत्मा में जब ये सवाल उमड़ने और आत्मावलोकन का समय है। परिवर्तन हमें स्वयं करना होगा। इसान जब तक नहीं बदल सकता जब तक कि वह खुद न बदलना चाहे, फिर वह रिश्ते हों या निजी जीवन।

रिश्तों में एक-दूसरों की गलतियों को करें नजरअंदाज...

सफल जीवन व रिश्तों के लिए आत्मचिंतन पहली सीढ़ी है। पति-पत्नी में छाटी-छोटी बातों पर कड़वाहट, विवाद, दूरियां बढ़ने का कारण आपस में धैर्यता और सहनशीलता रूपी शीतल जल का अभाव होना है। बहुत कुछ पाने के चक्कर में हम रिश्तों में संवेदना और भावनाओं को पीछे छोड़ते जा रहे हैं। ये धागा तभी पक्का होगा जब रिश्तों को समझने के साथ पर्याप्त समय देकर प्यार व स्नेह से सीधेंग। धीरज के साथ एक-दूसरी की गलतियों को नजरअंदाज करते हुए मन की हार्ड डिस्क में भरी डंफ फाइलों को डिलीट करेंगे। क्योंकि जब तक रिश्तों रूपी सॉफ्टवेयर से मन रूपी जंक फाइलों को नहीं हटाएंगे तो रिश्तों की स्पीड नहीं बढ़ पाएगी। इन्हें फॉर्मेट करने का संकल्प लेते हुए धैर्यता व सहनशीलता रूपी एंटी बायरस डालकर जीवन आनंद लें।

कबीरदास: धैरे-धैरे रे मना, धैरे सबकुछ होय।

मानी सोंचे सौ घड़ा, ऋतु आए फल होय॥

अर्थात् जिस प्रकार कोई व्यक्ति आम के पड़ को रोज बहुत सा पानी दे और उस पेड़ के नीचे आम आने की गाह में बैठा रहे तो भी आम नहीं आएंगे क्योंकि आम तो केवल ऋतु में ही आते हैं, वैसे ही धैर्य रखने से समय आने पर सब काम हो जाते हैं। इससे हमें यह शिक्षा मिलती है कि जीवन में कुछ परिस्थितियां और समस्याओं का हल समय आने पर अपने आप निकल आता है। फिर बात चाहे व्यक्तिगत, पारिवारिक या सामाजिक परिवेश से जुड़ी हो। जैसे सोना अग्नि में चमकता है, वैसे ही धैर्यवान आपदा में दमकता है। जान रस्किन कहते हैं कि धीरज सारे आनंदों और शक्तियों का मूल है। सेंट आंगस्टीन कहते हैं कि धैर्य ज्ञान का साथी है। आइजैक न्यूटन का मानना था कि प्रतिभा धैर्य है।

आध्यात्मिकता सिखाती है धीरज दर्खना...

आध्यात्मिकता एक ऐसा दूल या मंत्र है जो जीवन को जानने, समझने और सही सलीखे से जीने का मंत्र सिखाती है। आध्यात्म जीवन प्रयोगशाला में नए-नए प्रयोगों की विधि बताने के साथ उत्प्रेरक का काम भी करती है। इससे हम अंतरिक रूप से इतने सशक्त, मजबूत और शक्तिशाली हो जाते हैं कि जीवन के हर मोड़ की कंट्रोलिंग पावर आ जाती है। जिस व्यक्ति को तैना आता है तो वह कुण्ड, तालाब और नदी के तेज प्रवाह में भी आसानी से तैर सकता है। परमात्मा कहते हैं कि 'सहन करने वाला ही शहंशाह बनता है'।

परमात्मा सबसे बड़ी धैर्यता की मृत्त...

परमात्मा हम सभी आत्माओं के पिता हैं। वह सभी की जन्मकुंडली जानते हैं कि मेरा कौन बच्चा कितना महान और आसुरी संस्कारों का है। फिर भी वह सभी को मेरे लाडले बच्चे, मेरे स्कीलिंग बच्चे, मेरे मीठे बच्चे कहकर रोज सबरे पुकारता है, दुलार करता है और अपनी बाहों के तले आश्रय देकर बदलने के लिए प्रेरित करता है। इसके बाद भी हम आते वही गलतियां करते हैं, उन्हें दोहराते हैं और फिर आसुरी संस्कारों, आदतों के कीचड़ में फंसकर मैले हो जाते हैं। फिर दूसरे दिन परमात्मा ज्ञान रूपी स्नान करते हैं और मेरे मीठे-लाडले बच्चे कहकर पुकारते हैं। इस सबके बाद भी वह अपना धैर्य नहीं खोते क्योंकि वह धैर्यता को मृत है। हम मनुष्यात्माओं से अथाह स्नेह और प्रेम करते हैं क्योंकि हम उनको संतान हैं। सफल, सुखमय जीवन और मधुर रिश्तों की खातिर हम भी धैर्यता और सहनशीलता को अपना साथी, निजी गुण और संस्कार बना लें तो सब आसान हो जाएगा।

लेखक शिव आमंत्रण के संयुक्त संपादक हैं।

५० १०३ वर्षीय दादी जानकी ने नैरोबी में भाई-बहनों को दिया मार्गदर्शन...

परमात्मा से लाइट-माइट लेकर हर कर्म राइट करने की प्रेरणा

स्थानीय कलाकारों ने देश की संस्कृति पेश कर किया स्वागत



दादी जानकी जी के आगमन पर स्वागत करने पहुंचे सुप्रसिद्ध उद्घोषपति निजार जुमा, बीके वेदांती व कई प्रतिष्ठित लोग।

कर्म राइट करने की शिक्षा दी। समारोह में उपस्थित लोगों ने दादी जी के वरदानी बोल सुनकर स्वयं को खुशी, आनंद और उत्साह से भरपूर अनुभव किया।

नैरोबी में सफलतापूर्वक सेवाएं बढ़ती रहें इस शुभकामनाओं के साथ दादी जी ने बीके वेदांती को मामंटों भेट किया और सभी से विदायी ली।

अच्छे मार्ग पर आगे बढ़ने से पूरी दुनिया हमारे साथ होती है: बीके संतोष

शिव आमंत्रण ➡ सेंट पीटर्सबर्ग। 'द इमेज ऑफ एन एंजल' थीम पर पब्लिक प्रोग्राम का आयोजन रूस के सेंट पीटर्सबर्ग स्थित लाइटहाउस में हुआ, मुख्य अतिथियों में डॉक्टर ऑफ इकोनॉमिक्स, वेलेटीना सर्ग, सिंगर मीना मसलोवा और इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ इकोलॉजी एंड लाइफ प्रॉटेक्शन साइंस के 'आध्यात्मिक



'द इमेज ऑफ एन एंजल' थीम पर संबोधित करते हुए बीके संतोष।

पुनर्जीर्णण' विभाग के प्रमुख सर्गेइ कुजेकोव की विशेष उपस्थिति रही। इस मौके पर रशिया में सेंट पीटर्सबर्ग की निदेशिका बीके संतोष ने सभा को

संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया में बुराई भी है तो अच्छाई भी है लेकिन

जिसे सरकार की सामाजिक नीति और सेंट पीटर्सबर्ग के महिला गठबंधन के समर्थन के साथ लान्च किया गया। कार्यक्रम में संगीत, नृत्य और

मेडिटेशन सेशन भी रखा गया था जिससे सभी लाभान्वित हुए।

हमें इन दोनों में से किसका चयन करना है ये हमारे ऊपर है, यदि हम अच्छाई को चुनते हैं, अच्छाई के रास्ते पर आगे बढ़ते हैं, लोगों को सुख देते हैं तो पूरी दुनिया हमारे साथ होती है क्योंकि उन्हें हम फरीशें नज़र आते हैं। नई सांस्कृतिक और शैक्षिक परियोजना ए गार्डन-लाइक स्टीटी के तहत यह कार्यक्रम किया गया था, जिसे उपर्योगी तो एयरपोर्ट पर ही दादी जी का बेसस्टी से इंतजार कर रहे बीके सदस्यों की प्रतीक्षा करते हुए बोलना ही गई। दादी जी को देखकर सभी को ऐसा लग रहा था मानो आज बरसों की तपस्या का फल मिला हो। दादी जी के सम्मान में सेवाकेंद्र पर सुंदर आयोजन किया गया जहां दादी जी ने अपनी ओजस्वी वाणी से सभी में ऊर्जा का संचार कर दिया। सभा में मौजूद लगभग 600 लोगों ने स्नेह और वात्सल्यमूर्त दादी जी का दीदार कर स्वयं को भाग्यशाली अनुभव किया, वहीं दुबई सेवाकेंद्रों की निदेशिका बीके ज्योति को दादी जी ने मामंटों भेटकर शुभकामनाएं दी।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद का 70वां स्थापना दिवस

शिव आमंत्रण ➡ देनेपसार। बाली के देनपसार में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद का 70 वां स्थापना विवेस मनाया गया, कार्यक्रम का आगाज गीत, नृत्य और दीप प्रज्वलन से हुआ, इस मौके पर इंडोनेशिया में ब्रह्माकुमारीजी की राष्ट्रीय समन्वयक बीके जानकी को भी विशेष आमंत्रित किया गया था। बाली के पूर्व गवर्नर आई मेड मंगू पास्तिका, सीनेटर आई गुस्टी नुराह आयं वेदकण, भारत के कसुल जनरल आरओ सुनील बाबू, एसवीपीसी के अध्यक्ष आरओ मनोहर पुरी की इस कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति रही। सभा के दौरान, बाली और



एआरसी में मलेशियन नेशनल तमिल टीचर्स रिट्रीट



रिट्रीट के बाद स्थानीय लोगों के साथ बीके रंजनी, बीके लेछु और बीके पुरे।

शिव आमंत्रण ➡ नलेशिया। तमिलनाडु में संस्थान के युवा प्रभाग की जोनल को-ऑफिनेटर बीके रंजनी के मलेशिया स्थित पश्चिया रिट्रीट सेंटर पहुंचने पर उनका स्वागत किया गया। आगे बीके रंजनी ने सेवाकेंद्र

द्वारा विशेष बीके टीचर्स के लिए आयोजित मलेशियन नेशनल तमिल टीचर्स रिट्रीट में उन्होंने मुख्य वक्ता की भूमिका निभाई। इस रिट्रीट में कई सेसेस लिए गए जिसमें राजयोग अभ्यास, गुप्त डिस्क्शन जैसी कई गतिविधियां आयोजित की गई थीं। करीब 130 बीके टीचर्स ने इसमें सहभागिता की जिसे बीके लेछु और बीके पुरे द्वारा भी मार्गदर्शित किया गया।

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के बीच गहरे संबंध



कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए मॉस्को की निदेशिका बीके सुधा।

संदेश

सामाजिक जागरूकता

सत्य, अहिंसा का पाठ हर किसी को जरूरी

शिव आमंत्रण ➡ नैशविले।

सत्य और अहिंसा का दूसरा

नाम महात्मा गांधी, जिन्हें

करोड़ों देशवासियों के साथ

पूरा विश्व नमन तो करता ही

है साथ ही उनके सिद्धांतों पर

चलने के लिए भी प्रयत्नशील

है। ऐसे गांधीजी की महानता

को याद करने के लिए टेनेसी

के नैशविले में विशेष

कार्यक्रम आयोजित किया



मैटिस्टिक और दिल विषय पर संबोधित करते हुए बीके जेना।

गया। जिसे संबोधित करने के लिए नैशविले के विरिष मंत्री जॉन एम लीन द्वारा वॉशिंगटन डीसी से ध्यान संग्रहालय की निदेशिका बीके सिस्टर जेना को विशेष तौर पर आमंत्रित किया गया। इस मौके पर बीके जेना ने हेड एंड हार्ट विषय पर अपना उद्बोधन देते हुए नफरत पर विजय पाने के लिए सार्वभौमिक प्रेम का अभ्यास करने की आवश्यकता पर जोर दिया और राजयोग से होने वाले लाभों की जानकारी दी।

शिव आमंत्रण ➡ मॉस्को। मॉस्को में ब्रह्माकुमारीज के सेवाकेंद्र द लाइट हाउस ऑफ द वर्ल्ड में अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में हेल्थ फेरिंस्टल का आयोजन हुआ। इस मौके पर मॉस्को में ब्रह्माकुमारीज की निदेशिका बीके सुधा की मुख्य उपस्थिति में राजयोग ध्यान एवं उसके विविध पहलुओं पर मंथन हुआ और स्वास्थ्य को ठीक रखने की विधि भी समझाई गयी। इस सेशन में मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के बीच के गहरे संबंध पर प्रकाश डाला गया तथा राजयोग मैटिस्टेशन द्वारा होने वाले लाभों की जानकारी दी गई। इस मौके पर कार्यक्रम का आगाज जहाँ दीप प्रज्वलन कर तो वो कार्यक्रम का समापन बीके

सदस्यों द्वारा दिए गए सुंदर पफोमेंस से हुआ।

(सार समाचार)

हाऊस ऑफ कॉमन्स में ब्रह्माकुमारीज आमंत्रित, डायनेमिक वुमेंस फाउंडेशन की लॉचिंग



शिव आमंत्रण ➡ लंदन। हाऊस ऑफ कॉमन्स में डायनेमिक वुमेंस फाउंडेशन की लॉचिंग पर मुख्य अतिथि के रूप में मिडिल ईस्ट एवं यूरोपियन देशों में ब्रह्माकुमारीज की डायरेक्टर बीके ज्यंती को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर सेंट्रल क्रॉयडन की सांसद सारा जोन्स और क्रॉयडन हिंदू परिषद की अध्यक्ष माया पटेल समेत कई विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे।

दुबई में राजयोगिनी दादी जानकी का भव्य सम्मान, कार्यक्रम में शामिल हुए छह सौ लोग

शिव आमंत्रण ➡ दुबई।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान की मुख्य प्रशासिका 103 वर्षीय राजयोगिनी दादी जानकी जब अपने स्नेह और आशीर्वादों की वर्ष करने पर बहुती तो एयरपोर्ट पर ही दादी जी का बेसस्टी से इंतजार कर रहे बीके सदस्यों की प्रतीक्षा की घड़ी समाप्त हो गई। दादी जी को देखकर सभी को ऐसा लग रहा था मानो आज बरसों की तपस्या का फल मिला हो। दादी जी के सम्मान में सेवाकेंद्र पर सुंदर आयोजन किया गया जहां दादी जी ने अपनी ओजस्वी वाणी से सभी में ऊर्जा का संचार कर दिया। सभा में मौजूद लगभग 600 लोगों ने स्नेह और वात्सल्यमूर्त दादी जी का दीदार कर स्वयं को भाग्यशाली अनुभव किया, वहीं दुबई सेवाकेंद्रों की निदेशिका बीके ज्योति को दादी जी ने मामंटों भेटकर शुभकामनाएं दी।

मॉस्को के सांस्कृतिक निदेशक ने किया केन्द्र का अवलोकन

शिव आमंत्रण ➡ मॉस्को। किसी भी गलतफहमी और संघर्ष के लिए दूसरों को दोष देना बहुत आसान है लेकिन रिश्तों की संभाल करना एवं उन्हें संजोना उतना ही मुश्किल, रिश्तों में समंजस्यता बनाये रखने के टिप्पें देने के लिए 'हार्मनी इन रिलेशनशिप' विषय पर यूके के लेस्टर स्ट्रिट हार्मनी हाउस में कार्यशाला आयोजित की गई जिसे यूरोपियन देशों में ब्रह्माकुमारीज की निदेशिका बीके ज्यंती ने संबोधित करते हुए कहा कि यदि हम मधुर बोलना सीख जाएं तो काफी हाद तक रिश्तों में दरार आने से रोका जा सकता है। जिसके लिए हमें ये समझ होना जरूरी है कि हर आत्मा का अपना अपना पार्ट है, किसी का कोई दोष नहीं है। बुराई हम सभी में है लेकिन कोई अंतर मन से बुरा नहीं है। इसके बाद बीके ज्यंती ने दर्शकों द्वारा पूछे गए सवालों के समाधान दिए और राजयोग अभ्यास द्वारा कार्यशाला का समापन हुआ।

टैगायटे सेवाकेंद्र में सेल्फ केयर विषय पर मेडिटेशन रिट्रीट



शिव आमंत्रण ➡ फिलीपीन्स। फिलीपीन्स के कैविटे प्रांत में स्थित टैगायटे शहर में ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र में मेडिटेशन रिट्रीट आयोजित हुई। यह प्रतिभागियों और संगठनों के लिए आध्यात्मिकता से जुड़ने का सुनहरा अवसर था जिसका विषय रहा 'सेल्फकेयर'। इसके बाद 'पीस ऑफ माइंड रिट्रीट' का आयोजन क्वेजोन सिटी और मकाती में किया गया, इसका मुख्य उद्देश्य था कि प्रतिभागी अपने भीतर की आध्यात्मिकता की